RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 29 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री

शुक्रवार 27 जून 2025
सुर्योदय प्रातः 05:26 बजे
सूर्यास्त सांय 19:24 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 वैश्विक शांति और वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 252 | गाजियाबाद, शुक्रवार 27 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CSDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

नीट-यूजी 2025 : सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली हाई कोर्ट से मामला स्थानांतरित करने से इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2025 को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने असद खत्री की गुहार ठुकराते हुए कहा कि यह याचिका सार्वजनिक हित के तथ्यों पर आधारित नहीं है और इसलिए इस विवाद का शीर्ष अदालत की बजाय हाई कोर्ट में ही निपटारा किया जाना चाहिए। पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाई गई इस चिंता पर विचार करते हुए कि जुलाई के मध्य तक सीटें (मेडिकल स्नातक की) भर जाएंगी, उन्हें सुनवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी।

नीट परीक्षा में धांधली की व्यापक स्तर पर हो जांच : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट में हो रही कथित धांधली को लेकर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया और कहा कि जिस एनटीए को इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह भ्रष्टाचारी एजेंसी बन गयी है और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की एनटीए 'राष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसी' बन चुकी है। नीट परीक्षा होती है तो भ्रष्टाचार से जुड़ी नई-नई चीजें सामने आती हैं। एनटीए जो भी परीक्षा कराती है, उसका डेटा लीक हो जाता है। एनटीए अविश्वनीय बन चुकी है और यह परीक्षा एजेंसी किसी भी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है इसलिए इसके अधिकारियों की जांच होनी चाहिए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का हालचाल जाना। मुर्मू ने सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उनके पिता के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी और मुलाकात की तस्वीर साझा की। अधिकारियों ने बताया कि शिबू सोरेन (81) पिछले पांच दिन से अस्पताल में हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन को पार्टी के संस्थापक संरक्षक के रूप में जाना जाता है। मुर्मू 18 मई, 2015 से 13 जुलाई, 2021 तक झारखंड की राज्यपाल थीं। वह सर गंगाराम कैंसर सेंटर का उद्घाटन करने के लिए अस्पताल पहुंची थीं।

ऑपरेशन सिंधु अभियान में इज़रायल, ईरान से 4244 भारतीय सकुशल स्वदेश पहुंचे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। ऑपरेशन सिंधु के तहत इज़रायल और ईरान से 4244 भारतीयों को सुरक्षित एवं सकुशल स्वदेश लाया जा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा कि ऑपरेशन सिंधु के तहत हमने अब तक ईरान से 3426 भारतीयों, 11 ओसीआई कार्ड धारकों, 9 नेपाली नागरिकों, 4 श्रीलंकाई नागरिकों और एक भारतीय नागरिक के 1 ईरानी पति को निकाला है। इस उद्देश्य के लिए कुल 14 विशेष उड़ानें (मशहद, येरेवन, अशगाबात से) आयोजित की गईं।

सीएम ने किया 'ग्रेटर गाजियाबाद' बनाने का ऐलान

खोड़ा नगर, मुरादनगर नगर और लोनी नगर पालिका बनेगी गाजियाबाद नगर निगम का हिस्सा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गाजियाबाद में दो कार्यक्रम में शिरकत की। करीब 5 घंटे गाजियाबाद में रहे। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद को ग्रेटर गाजियाबाद बनाने की तैयारी है।

इसके लिए गाजियाबाद नगर निगम का विश्तार किया जाएगा। खोड़ा नगर पालिका, मुरादनगर नगर पालिका और लोनी पालिका को गाजियाबाद नगर निगम का हिस्सा बनाया जाएगा। कैलाश मानसरोवर भवन में मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात भी की। इस दौरान ग्रेटर गाजियाबाद की परिकल्पना को लेकर उनके सुझाव भी मांगे।

कैलाश मानसरोवर भवन में यात्रा के लिए जाने वाले यात्रियों को रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंडन के पुनरुद्धार का कार्य जारी है।

हिंडन नदी के दोनों ओर पेड़ लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद की सूरत पिछले आठ साल में बदली है। पहले गाजियाबाद में कूड़े का पहाड़ रहता था। अब गाजियाबाद विश्व के स्वच्छ 50 शहरों में शामिल है।

कभी गाजियाबाद की कानून व्यवस्था पर गैंगवार पर फिल्में बनती थीं, अब गाजियाबाद प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर है। गाजियाबाद देश का पहला ऐसा शहर है, जहां रैपिड रेल चलती है।

गाजियाबाद की अपनी मेट्रो है। अपना एयरपोर्ट है। यह सब पिछले 8 साल में डबल इंजन की सरकार की वजह से ही हो पाया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की।

शुभांशु शुक्ला, तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे

✷ वेबवार्ता. फ्लोरिडा/नई दिल्ली ✷

अंतरिक्ष यान 'ड्रैगन' के अंतरिक्ष प्रयोगशाला से जुड़ने के साथ ही बृहस्पतिवार को भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गए।

अंतरिक्ष यान उस समय अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ा, जब यह भारतीय समयानुसार अपराह्न 4:01 बजे उत्तरी अटलांटिक महासागर के ऊपर से गुजर रहा था। यह पहली बार है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस की यात्रा पर गया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के एक लाइव वीडियो में अंतरिक्ष यान को अंतरिक्ष स्टेशन के पास आते हुए दिखाया गया और 'डॉकिंग' प्रक्रिया भारतीय समयानुसार शाम 4:15 बजे पूरी हुई। एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष यात्री बुधवार को फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आईएसएस की यात्रा पर निकले थे।

शुभांशु शुक्ला ने स्पेस से धरती के लोगों को नमस्कार किया। उन्होंने कहा कि वे और उनका क्रू अंतरिक्ष में आकर खुश हैं। उन्होंने अंतरिक्ष की यात्रा को अद्भुत बताया। उन्होंने कहा कि यह एक छोटा कदम है, लेकिन भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में एक स्थिर और ठोस कदम है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पकड़ी रफ्तार, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे देश में रफ्तार पकड़ ली है। इसके असर से देश के उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिमी हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक का दौर शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से विभिन्न राज्यों के लिए अलर्ट जारी किए गए हैं।

लगातार सक्रिय हो रहे मानसून ने मौसम में ठंडक तो लाई है, लेकिन बिजली गिरने और तेज हवाओं से सतर्क रहने की आवश्यकता भी जताई जा रही है। हरियाणा में मानसून के प्रवेश के बाद से ही मौसम पूरी तरह बदल गया है। प्रदेश के अंबाला, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत और यमुनानगर में अधिक से मध्यम बारिश जारी है। तेज हवाएं 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं। वहीं, पंचकूला, अंबाला, करनाल और यमुनानगर में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। सोनीपत, पानीपत, कैथल, कुरुक्षेत्र, जींद, रोहतक, भिवानी, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा जैसे जिलों में मध्यम बारिश के आसार हैं। हिसार और पानीपत में सुबह से बूंदाबांदी का दौर शुरू है, वहीं पूरे प्रदेश में बादल छाए रहने से मौसम सुहाना हो गया है। राजस्थान के बीकानेर, चूरू, गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में भी तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी है।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और मुरादाबाद जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर समेत 40 से अधिक जिलों में अगले 18 से 24 घंटे में बारिश और बिजली गिरने की आशंका है।

सीईएल में सीएम ने किया ग्रीन डाटा सेंटर के लिए भूमि पूजन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के 51वें स्थापना दिवस के मौके पर गुरुवार को पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीईएल में बनने वाले ग्रीन डाटा सेंटर के लिए विधि-विधान से पूजा कर भूमि पूजन किया।

मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद में डाटा सेंटर की आधारशिला रखी। इसके बाद सीईएल के अध्यक्ष चेतन प्रकाश जैन ने डाटा सेंटर की मॉडल को दिखाते हुए उसकी विशेषताओं और बारीकियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

कार्यक्रम स्थल से निकलने के बाद मुख्यमंत्री ने सीईएल परिसर में अशोक के पौधे का रोपण किया और फिर सीईएल में लगी उपकरण प्रदर्शनी का भी जायजा लिया।

इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा व भाजपा के अन्य नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अत्याधुनिक डाटा स्टोरेज सेंटर (डाटा सेंटर) के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने सभी भारतीयों को 2047 का लक्ष्य दिया कि जब भारत आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब हम कैसा भारत चाहते हैं, भारत कैसा होगा।

भारत लाचार भारत न हो, भारत दुनिया के सामने अभावग्रश्त न हो, भारत आत्मनिर्भर हो, विकसित भारत हो और विकसित भारत का राश्ता इस प्रकार के संस्थानों से होकर जाता है।'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 8 वर्ष पहले जहां लोग यूपी में निवेश नहीं करना चाहते थे वर्तमान में हर कोई यहां निवेश करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में उद्यमियों ने यूपी में 50 लाख करोड़ का निवेश किया है।

फिनटेक के साथ फास्टैग इकोसिस्टम का किया जाएगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएं : गडकरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फास्टैग इकोसिस्टम में न केवल टोलिंग के लिए है बल्कि पूरे देश में निर्बाध डिजिटल यात्रा अनुभवों के आधार के रूप में अपार संभावनाएं भी इसमें मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि फिनटेक और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के जरिए हमारा लक्ष्य फास्टैग की उपयोगिता को एक मजबूत मंच देना है, जो उपयोगकर्ता की सुविधा को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि 98.5 फीसदी टोल पेमेंट के साथ, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग प्रोग्राम 1,728 टोल प्लाजा पर संचालित होता है। इसके अलावा, 38 से ज्यादा बैंकों ने डिजिटल भुगतान का समर्थन करते हुए 11.04 करोड़ फास्टैग जारी किए हैं। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह कारों के लिए 3,000 रुपए की कीमत वाले फास्टैग वार्षिक पास की शुरुआत की घोषणा की है, जो इस साल 15 अगश्त से प्रभावी होंगे।

फास्टैग सिस्टम के इनोवेटिव एप्लीकेशन का पता लगाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रमोटेड कंपनी इंडियन हाईवेज एंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) द्वारा दिल्ली में फिनटेक कंपनियों के साथ एक वर्कशॉप आयोजित की गई थी।

एसडीएम के नेतृत्व में तीन सदस्य कमेटी करेगी जांच : डीएम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टंडेरा में साहूकारों के कर्ज के तले दबे जिल्लत भरी जिंदगी जी रहे एक परिवार के चार लोगों ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसमें मां ,बेटी की मौत हो गई ।जबकि पिता और एक बेटी गंभीर हालत में हायर सेंटर में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं ।÷÷ इस संबंध में जनपद की बेहद लोकप्रिय एवं व्यवहार कुशल जिला अधिकारी जसप्रित कौर ने बताया कि इस मामले की गंभीरता से जांच कराए जाने के लिए संबंधित उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं एक मेडिकल अधिकारी की टीम का गठन किया गया है। इस गरीब परिवार ने किन परिस्थितियों में यह घातक कदम उठाया है। लोन किस प्रकार का था और किस कंडीशन में लिया गया था। इस घटना के तमाम बिंदुओं की जांच उक्त कमेटी द्वारा की जाएगी। कमेटी की रिपोर्ट पर ही यदि इस मामले में कहीं किसी के द्वारा पीड़ित परिवार का उत्पीड़न किया गया होना पाया गया तो उसके विरुद्ध कमेटी की रिपोर्ट पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कर्ज से परेशान परिवार के चार लोगों ने खाया जहरीला पदार्थ, मां-बेटी की मौत

पिता ओर बेटी हायर सेंटर रेफर, पुलिस के आला अधिकारी मौके पर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर/नूरपुर ✷

कर्ज से परेशान एक परिवार के मुखिया समेत चार लोगों ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर चारो को जिला अस्पताल रेफर किया। जहां मां बेटी की मौत हो गई। जबकि गंभीर हालत में पिता और एक बेटी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मां बेटी की मौत की सूचना पर एसपी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घटना की ली जानकारी।

नूरपुर के गांव टंडेरा में 52 वर्षीय पुखराज सिंह का परिवार आर्थिक तंगी में रहता था। ग्रामवासियों के मुताबिक परिवार पर कई लाख रुपए का कर्ज है बताया गया है।

जिसको लेकर परिवार में कलह रहती थी। गुरुवार की सुबह पुखराज सिंह का पुत्र सचिन की अपने पिता के साथ कहासुनी हो गई थी।

सचिन काम पर चला गया। इस दौरान पुखराज सिंह ने परिवार समेत सभी सदस्यों ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

परिवार के मुखिया पुखराज सिंह (52) उसकी पत्नी रमेशिया देवी (50), बेटी शीतू (19) व अनीता (17) को नाजुक हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया।

जहां चिकित्सकों ने चारो की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहाँ उपचार के दौरान मां रमेशिया 50 वर्ष देवी व बेटी अनीता 17 वर्ष की मौत हो गई। जबकि गंभीर हालत में पिता पुखराज 52 वर्ष व बेटी शीतू 19 वर्ष को हायर सेंटर रेफर कर दिया। जहाँ दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

मां बेटी की मौत की सूचना पर एसपी अभिषेक झा ने जिला अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली और पुलिस को आवश्यक निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

अदालत का समय बर्बाद किया, महाराष्ट्र चुनाव से जुड़ी याचिका हाईकोर्ट में खारिज

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने बुधवार को 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुए फर्जी मतदान की याचिका को खारिज किया, जिसमें शाम छह बजे मतदान का समय समाप्त होने के बाद बढ़े हुए मतदान के आंकड़ों को लेकर एक याचिका दाखिल की गई थी। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने आज अपना फैसला सुनाया, इससे पहले इस फैसले को सोमवार को सुरक्षित रख लिया गया था। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि इस सुनवाई में पूरे दिन दलीलें सुनने से अदालत का कीमती समय बर्बाद हुआ। उल्लेखनीय है कि वंचित बहुजन आघाड़ी के विक्रोली कार्यकर्ता चेतन अहिरे ने इस संबंध में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसकी सुनवाई आज हुई थी।

अहिरे की ओर से अधिवक्ता प्रकाश आंबेडकर ने अपनी दलीलें दीं और वंचित बहुजन आघाड़ी के नेता और अधिवक्ता आंबेडकर ने दलीलें देते हुए पूरी चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की थी। उन्होंने अदालत के समक्ष आरोप लगाया था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) मशीनों के आने के बाद से हमारी चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी हुई है।

इस बीच, निर्वाचन आयोग और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने याचिका का विरोध किया और उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया था। मतदान अवधि समाप्त होने के बाद मतदान का मुद्दा उठाते हुए अधिवक्ता अंबेडकर ने आरोप लगाते हुए कहा था कि 76 लाख वोटों का अचानक बढ़ना एक गलती नहीं हो सकती बल्कि यह न केवल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को बल्कि देश के लोकतंत्र पर भी सीधे तौर पर गंभीर सवाल उठाता है। उल्लेखनीय है कि 2024 के विधानसभा चुनाव में 288 सीटों के लिए मतदान हुआ था जिसमें फर्जी वोटिंग के आरोप लगे थे।

किसान के घर घुसा बाघ, वन अधिकारियों ने पकड़ा

रांची, एजेंसी। झारखंड के रांची जिले के एक गांव में बुधवार को एक वयस्क बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) एक किसान के घर में घुस गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई, हालांकि बाद में वन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया।

यह घटना झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 65 किलोमीटर दूर मुरी पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में सिल्ली प्रखंड के मरदु गांव में घटी। रांची के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रीकांत वर्मा ने पीटीआई-को बताया, बाघ सुबह करीब पांच बजे पूरन चंद महतो के घर में घुस गया। वर्मा ने बताया कि जब किसान ने बाघ को घर के एक कमरे में घुसते देखा तो उन्होंने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि जब बाघ घर में घुसा तो करीब आठ साल की दो बच्चियां भी घर के अंदर थीं, लेकिन उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से एक बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू कर कर सफलतापूर्वक बाघ को पकड़ लिया। उन्होंने कहा, पिंजरे में बंद करने के बाद उसे बेहोश कर दिया गया। उसे एक वाहन में लादकर रांची के बिरसा जैविक उद्यान ले जाया जाएगा, जहां उसे निगरानी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि, बाघ को मुक्त करने का निर्णय बाद में लिया जाएगा।

नागपुर और छत्तीसगढ़ में ट्रेन पर पत्थर फेंकने वाले किशोर हिरासत में लिए गए

नागपुर, एजेंसी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नागपुर और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग घटनाओं में यात्री ट्रेन पर पत्थर फेंकने के आरोप में दो किशोरों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आरपीएफ के नागपुर मंडल द्वारा की गई। अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना एक मई को हुई जिसके तहत छत्तीसगढ़ के दुर्ग में रेलवे पटरियों के किनारे इमली तोड़ते समय 13 वर्षीय एक लड़के ने पुरी-इंदौर एक्सप्रेस पर पत्थर फेंका।

मंत्रियों के स्टाफ पर सीएम फडणवीस ने कसी नकेल

ऐक्शन की चेतावनी; महायुति में बढ़ी दरार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सत्ताधारी महायुति सरकार के भीतर तनातनी और गहराती दिख रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कई मंत्रियों द्वारा निजी सचिव (पीएस) और विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) की गैरकानूनी तैनाती को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की स्पष्ट हिदायतों के बावजूद कई पीएस और ओएसडी अब भी अपने पसंदीदा मंत्रियों के साथ कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते फडणवीस ने छह ऐसे कर्मचारियों को अनुशासनात्मक नोटिस जारी किए हैं जो आदेशों की अवहेलना कर रहे थे।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक आदेश के अनुसार, फडणवीस ने मंत्रियों द्वारा प्रस्तावित कुछ निजी सचिवों और ओएसडी की नियुक्तियों को भ्रष्ट या सौदेबाज मानते हुए खारिज कर दिया था।

इस आदेश में इन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से उनके मूल विभागों में वापस लौटने का निर्देश दिया गया, अन्यथा उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। फरवरी 2025 में, फडणवीस ने मंत्रियों द्वारा प्रस्तावित 125 नामों में से केवल 109 को मंजूरी दी थी, जिसके बाद से यह मुद्दा गठबंधन के लिए तनाव का कारण बना हुआ है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा विवाद में शिवसेना के मंत्री संजय राठौड़, शंभुराज देसाई, भरत गोगावले और गुलाबराव पाटिल के साथ-साथ एनसीपी के नेता दत्तात्रेय भरने और छगन भुजबल भी शामिल हैं। इन मंत्रियों के पीएस की नियुक्तियां पहले ही अनियमितताओं के आरोपों के चलते रोक दी गई थीं। सूत्रों का कहना है कि इनमें से कई वर्षों से कार्यरत पीएस और ओएसडी पर भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति जमा करने के आरोप हैं।

विपक्ष का निशाना

विपक्ष ने इस पूरे घटनाक्रम को महायुति गठबंधन के भीतर बढ़ती असहमति का संकेत बताया है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा, यह केवल पीएस की नियुक्ति का मामला नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि सरकार के भीतर आपसी विश्वास और समन्वय की कमी है। मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम अवहेलना हो रही है, जो उनके नियंत्रण की कमजोरी को दर्शाता है।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने भी इस मुद्दे को आगामी मॉनसून सत्र में उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट पीएस और ओएसडी के खिलाफ शिकायतें मिली हैं और सरकार द्वारा जारी नोटिस एक आवश्यक कदम है। वहीं, राज्य के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरी स्थिति की स्पष्टता केवल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही दे सकते हैं।

महायुति में बढ़ता तनाव

महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट), और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल हैं। यह पहले भी आंतरिक मतभेदों का सामना कर चुका है। हाल ही में, बीजेपी नेता और मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे के एक बयान ने विवाद खड़ा किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र में बीजेपी की सरकार है और देवेंद्र फडणवीस सभी के पिता के रूप में हैं। इस बयान ने शिवसेना के नेताओं को नाराज कर दिया, जिन्हें लगा कि यह उनके प्रभाव को कम करने की कोशिश है।

इसके अलावा, पुणे में महायुति के सहयोगी दलों-बीजेपी, शिवसेना, और एनसीपी के नेताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों पर आलोचना की है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारामती में एक रैली के दौरान शिवसेना विधायक विजय शिवतारे को निशाना बनाया, जिसके जवाब में शिवतारे ने पवार पर अहंकार का आरोप लगाया।

बेटियों ने किया अपमान, सेना से रिटायर पिता ने मंदिर को दान कर दी 4 करोड़ की संपत्ति

तिरुवन्नामलै, एजेंसी। एक रिटायर पिता को उनके बेटियों ने इस कदर अपमानित किया कि उन्होंने तंग आकर अपनी 4 करोड़ की संपत्ति एक मंदिर को दान में दे दी। उनके इस कदम के बाद अब उनकी बेटियां उन संपत्तियों के वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह घटना तमिलनाडु के तिरुवन्नामलै जिला की है। सेना से रिटायर एस. विजयन अपनी बेटियों के अपमान से इस कदर आहत हुए कि उन्होंने यह कदम उठाया।

अरुलमिगु रेणुगम्बाल अम्मन मंदिर प्रशासन के अनुसार, 24 जून को जब मंदिर की दान पेटी खोली गई तो उसमें सिक्कों और नोटों के साथ दो मूल संपत्ति दस्तावेज भी पाए गए। एक संपत्ति 3 करोड़ की और दूसरी 1 करोड़ की थी। इसके साथ ही एक पत्र भी था, जिसमें विजयन ने स्पष्ट लिखा था कि उन्होंने स्वेच्छा से मंदिर को यह संपत्ति समर्पित की है।

मंदिर से वर्षों पुराना नाता: विजयन अरनी के पास केसवपुरम गांव के रहने वाले हैं। वह रेणुगम्बाल अम्मन के कट्टर भक्त माने जाते हैं। मंदिर अधिकारियों की जांच में पता चला कि वह पिछले 10 वर्षों से अकेले रह रहे थे। पत्नी से उनके मतभेद थे। हाल के महीनों में उनकी बेटियां उन्हें संपत्ति सौंपने के लिए दबाव डाल रही थीं और रोजमर्रा की जरूरतों को लेकर भी अपमान कर रही थीं।

विजयन ने कहा, मेरे बच्चों ने मुझे मेरे खुद के खर्च के लिए भी ताना दिया। अब मैं यह संपत्ति उस देवी को सौंप रहा हूं, जिसने मुझे जीवन भर संबल दिया।

क्या मंदिर की हो जाएगी विजयन की संपत्ति?: मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एम. सिलंबरासन ने बताया, सिर्फ दस्तावेजों को दान पेटी में डालना कानूनी रूप से संपत्ति का हस्तांतरण नहीं माना जा सकता है। जब तक दाता विधिवत रजिस्ट्रेशन विभाग के साथ पंजीकरण नहीं करते, मंदिर को कानूनी अधिकार नहीं मिलेगा। इसलिए अभी के लिए ये दस्तावेज हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ

बंदोबस्ती विभाग के पास सुरक्षित रखे गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी इस पर निर्णय लेंगे कि इन्हें कैसे आगे बढ़ाया जाए।

कौन सी संपत्तियां हैं दान में?: मंदिर अधिकारियों के मुताबिक, दान की गई संपत्तियों में 10 सेंट जमीन मंदिर के पास स्थित है। एक एक मंजिला मकान, जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ है।

बेटियां संपत्ति वापस लेने के लिए कर रही हैं प्रयास: अब जब यह मामला सार्वजनिक हो गया है तो विजयन की बेटियां कथित रूप से संपत्ति को वापस पाने के प्रयास कर रही हैं। लेकिन विजयन ने साफ कहा, मैं अपने फैसले से पीछे नहीं हटूंगा। मंदिर से बात कर मैं कानूनी प्रक्रिया पूरी करूंगा।

कुछ लोग कहते हैं संसद सबसे ऊपर, लेकिन ऐसा है नहीं: सीजेआई गवई

अमरावती, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने संसद, न्यायपालिका और संविधान के बीच सर्वोच्चता की बहस को आगे बढ़ाते हुए अहम टिप्पणियां की हैं। सीजेआई गवई ने कहा है कि भारत का संविधान ही देश में सबसे ऊपर है और लोकतंत्र के तीनों अंग इसके हिसाब से ही काम करते हैं। इस दौरान सीजेआई ने यह भी कहा है कि संसद के पास संविधान में संशोधन करने की शक्ति जरूर है, लेकिन वह कभी भी संविधान के मूल ढांचे के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती।

पिछले महीने देश के 52वें सीजेआई के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई बुधवार को अपने गृहनगर पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती में एकन समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि कुछ लोग यह मानते हैं कि संसद संविधान के ऊपर है, लेकिन यह सच नहीं है।

भारत का संविधान ही सर्वोच्च-गवई: कार्यक्रम के दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि इस बात पर हमेशा चर्चा होती है कि लोकतंत्र का कौन सा अंग सर्वोच्च है, कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका। उन्होंने कहा, कई लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है लेकिन मेरे

हिसाब से भारत का संविधान ही सर्वोच्च है। लोकतंत्र के तीनों अंग संविधान के तहत काम करते हैं।

जजों के कर्तव्यों पर जोर: सीजेआई गवई इस दौरान जजों को लेकर भी बोले। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ आदेश पारित करने से कोई न्यायाधीश स्वतंत्र नहीं कहला सकता। उन्होंने कहा, जजों को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा कर्तव्य क्या है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास सिर्फ शक्ति नहीं है, बल्कि यह एक कर्तव्य है।

सीजेआई ने आगे कहा कि जजों को इस बात से कतई प्रभावित नहीं होना चाहिए कि लोग उनके फैसले के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। उन्होंने कहा, हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग जो कहेंगे, वह हमारी निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकता। इस दौरान उन्होंने बुलडोजर जस्टिस को रोकने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया।

यूपी में गोंडा-बाराबंकी रूट पर काम, दस ट्रेनें कैंसिल और 31 ट्रेनों के समय बदले

मुरादाबाद, एजेंसी। यूपी में गोंडा-बाराबंकी में बिछ रही थर्ड रेललाइन को अंतिम रूप के लिए ब्लॉक लिया गया है। प्री नॉन इंटरलाकिंग व नॉन इंटरलाकिंग के काम के लिए बुधवार से रेल रूट पर असर पड़ना शुरू हो गया है। गोरखपुर-अमृतसर व चंपारण सत्याग्रह व पैसेंजर समेत दस ट्रेनें रद रहेंगी। चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस चार दिन और गोरखपुर-अमृतसर एक्सप्रेस एक दिन नहीं चलेगी। सीतापुर सिटी से शाहजहांपुर व गोंडा के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों को 28 जून से चार जुलाई तक रद्द रखा गया है।

सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि गोंडा सेक्शन में थर्ड लाइन के लिए रेल संचालन में बदलाव किया गया है। रद्द की गई ट्रेनों में गोरखपुर-अमृतसर(22423-24) 29 जून व बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार(25 जून से 4 जुलाई) तक चार ट्रिप रद्द रहेंगे। पैसेंजर ट्रेनें भी 28 जून से रद्द रहेंगी। चार जुलाई तक यह काम चलेगा। बाकी 22

ट्रेनें डायवर्ट व नौ ट्रेनों के संचालन में फेरबदल किया गया है। समर स्पेशल अमृतसर-छपरा एक्सप्रेस के दो दिन नहीं चलेगी। जबकि अमृतसर दरभंगा जननायक 23 जून से 4 जुलाई तक बदले रुट से चलेगी।

शार्ट टर्मिनेट: ग्वालियर-बलरामपुर सुशासन एक्सप्रेस(22199-200) दो व तीन जुलाई को शार्ट टर्मिनेट रहेगी।

देरी से चलेगी ट्रेनें: गोंडा-सीतापुर सिटी,चंडीगढ़-डिब्रूगढ़, सत्याग्रह एक्सप्रेस, अमृतसर-सहरसा, गोरखपुर-योगनगरी स्पेशल, अंबाला कैंट-मऊ पैसेंजर ट्रेन।

सीतापुर, गोंडा की बजाय रोजा-लखनऊ चलेगी ट्रेनें: जननायक एक्सप्रेस (15211-12), जनसाधारण (15532), डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस (15904), अंत्योदय एक्सप्रेस (22551), मुजफ्फरपुर सप्तक्रांति (12557), अवध आसाम (15910), बाघ एक्सप्रेस (13019), मोरध्वज (14692), लोहित एक्सप्रेस (15651-52), अमृतसर जनसेवा (14617-18), शहीद एक्सप्रेस (14673-74), अमरनाथ एक्सप्रेस (15098), गोरखपुर-आनंद विहार (15057-58), आनंद विहार-सहरसा (15530) और सहरसा-आनंद विहार (05577-78) ट्रेनों को बदले मार्ग से संचालित किया जाएगा।

नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों की मुठभेड़, दो महिला नक्सलियों को मार गिराया

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र के अबूझमाड़ इलाके के घने जंगलों में बुधवार रात सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम द्वारा किया गया यह अभियान माड़ डिवीजन से जुड़े वरिष्ठ माओ अधिकारियों ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि माओवादियों के माड़ डिवीजन के नक्सलियों के होने की सूचना पर नारायणपुर और कोंडागांव जिले के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और एसटीएफ के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार शाम को जब सुरक्षाबल के जवान क्षेत्र में थे तब नक्सलियों के साथ मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से नक्सलियों के शव, एक इंसास राइफल, एक .315 राइफल, मेडिकल का सामान और नक्सलियों से संबंधित अन्य सामान बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

ससुराल वालों के उत्पीड़न से तंग आकर महिला ने की आत्महत्या

एनसीआर टुडे. नोएडा

नोएडा के फेस-2 थाना क्षेत्र में एक महिला ने कथित तौर पर ससुराल पक्ष के लोगों के उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली। महिला के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि बुधवार रात को इस्लाम ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्होंने अपनी बेटी नजमा की शादी 15 वर्ष पहले ककराला गांव के असलम के साथ की थी। पीड़ित के अनुसार शादी के बाद से ही उसकी बेटी के ससुराल पक्ष के लोग उसका उत्पीड़न करते थे और उससे मारपीट भी करते थे।

पीड़ित के अनुसार, उसकी बेटी ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों के उत्पीड़न से तंग आकर 24 जून को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि नजमा के पिता इस्लाम ने इस मामले में उसके पति असलम, सास, देवर और देवरानी के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

ब्रह्मोस, आकाश का पाकिस्तान पर हुआ परीक्षण, दुनिया के लिए विश्वसनीय बनीं : सीएम

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण होने के बाद अब ये मिसाइल दुनिया के लिए विश्वसनीय बन गई हैं।

योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस मिसाइल के लिए विभिन्न कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाले उपक्रम सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के ईएसडीएस के साथ मिलकर स्थापित किए जाने वाले हरित डेटा सेंटर की आधारशिला रखते हुए यह बात कही। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के साहिबाबाद में स्थित सीईएल परिसर में इस डेटा सेंटर की स्थापना लगभग 1,000 करोड़ रुपये के निवेश से की जाएगी। इसकी क्षमता 30 मेगावाट की होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) ब्रह्मोस मिसाइल के लिए विभिन्न कलपुर्जों की आपूर्ति करती है, जिनका उत्पादन रक्षा औद्योगिक गलियारे के लखनऊ क्षेत्र में किया जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने आकाश और ब्रह्मोस मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। मुझे लगता है कि हम इन दोनों मिसाइल के बारे में कह सकते हैं कि इनका पाकिस्तान में परीक्षण किया गया और अब ये दुनिया के लिए विश्वसनीय बन गई हैं।' उन्होंने कहा कि सीईएल इन मिसाइल के लिए रेडोम, रडार प्रणाली, स्पीड कंट्रोल प्रणाली के कलपुर्जे और सिस्टम की आपूर्ति करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय सीईएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता थी, लेकिन अब यह 'मिनी रत्न' विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीईएल भारत में अपने तरह का पहला डेटा सेंटर स्थापित कर रहा है, जो उनकी क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को पिछले आठ वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें रक्षा इकाइयों के लिए 25,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश का पहला डेटा सेंटर 2022 में शुरू हुआ था और अब राज्य में छह डेटा सेंटर हैं। सीईएल-ईएसडीएस के डेटा सेंटर को 30 मेगावाट क्षमता और 40 जीबीपीएस कनेक्टिविटी के लिए डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम में एक अधिकारी ने कहा कि इस डेटा सेंटर की स्थापना में लगभग 1,000 करोड़ रुपये का कुल निवेश होगा जो सेंटर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और ईएसडीएस द्वारा किया जाएगा।

ईएसडीएस जल्द ही अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आने वाली है। आधारशिला कार्यक्रम में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह, राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री सुनील कुमार शर्मा और राज्य के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण भी शामिल हुए।

विवाहिता की मौत, फंदे से लटका मिला शव

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷ । थाना सासनी गेट क्षेत्र में 23 वर्षीय विवाहिता सोनम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, घटना के समय वह घर में अकेली थी, उनका शव फंदे से लटका मिला। सोनम की शादी दो साल पहले हुई थी, उनका एक साल का बच्चा है, पति पैरालाइज्ड हैं। घटना के समय पति घर पर नहीं थे, पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सोनम तनाव में रहती थी। मायके पक्ष ने आत्महत्या की बात से इनकार किया है, उनका कहना है कि सोनम हंसमुख और जिम्मेदार थी। वह अपने बच्चे और परिवार की देखभाल करती थी। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। थाना सासनी गेट पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। लेकिन मायके पक्ष की शिकायत पर हत्या की आशंका से भी जॉच की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के नतीजों के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी, मायके पक्ष की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है।

जिला प्रशासन ने की अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷ । पुलिस ने अवैध खनन गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में तरकोली निवासी अमन, कशहजानी के गवेंद्र, उदपुरा के अभय राजपूत और मंडी धनौरा के सौरभ शामिल हैं। उदपुरा क्षेत्र के जंगल से पुलिस ने एक 315 बोर का तमंचा और 17 जिंदा कारतूस बरामद किए। मौके से तीन खाली और एक मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली भी जब्त की गई। गिरोह का मुख्य काम अवैध खनन करने वाले वाहनों को हथियारबंद संरक्षण देना था। आरोपी ट्रॉलियों के आगे-पीछे चलकर उन्हें पुलिस कार्रवाई से बचाते थे। भाजयुमो पदाधिकारी गजेंद्र के पास से कोई हथियार नहीं मिला। लेकिन वह उसी वाहन में सवार था जिसमें हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। पुलिस ने सभी आरोपियों पर शस्त्र अधिनियम और खनन अधिनियम की धाराओं के तहत चालान कर जेल भेज दिया है।

रंजिशन मारपीट मुकदमा दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷ । ग्राम तालमपुर निवासी अनिल कुमार पुत्र ऋषिपाल सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 जून को वह अपने ही गांव में दुकान से सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान उससे रंजिश रखने वाले गांव के ही सतपाल, विजेन्द्र, सावित्री ने उसे जबरन पकड लिया। आरोपियों ने उसे मारपीट की। बताया कि सतपाल ने तंमचा दिखाकर उसे जान से मारने की धमकी दी। उसने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने आरोपियों से जान माल का खतरा बताया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक महिला सहित तीन लोगों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ढडे शरबत की सबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷ । पीर की चुंगी के निकट सबील लगाकर राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाया गया। हजारों राहगीरो ने ठंडा शरबत पीकर तप्ती गर्मी से अपनी प्यास बुझाई ओर राहत की सांस ली। बुधवार को क्लासिक फ्लेक्स प्रिंटिंग टीम के तत्वाधान जगली कत चाट भण्ड मे निकट पीर की चुंगी पर शरीर को तपा देने वाली गर्मी को देखते हुए सबील लगाकर रहगीरो को ठंडा शरबत पिलाया गया। हजारों रहगीरो ने गर्मी मे ठंडा शरबत पीकर अपनी प्यास बुझाई ओर चैन की सांस ली, साथ ही सबील लगाकर शरबत पिलाने वाले संगठन को लोगो ने दिल से दुवाए दी। नगरवासियो ने उनके इस कार्य को देखकर उनकी प्रशंसा करते हुए आगे भी यह सिलसिला जारी रखने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर मेराज अंसारी, रब्बानी अंसारी, फैज अंसारी, मोहम्मद हकानी, सरवर अहमद, मोहम्मद शाहजेब, आफताब अहमद, युवा नेता सादिक अंसारी, आमिर अंसारी, अदनान अंसारी आदि समाजसेवी लोग मौजूद रहे।

संचारी रोग को सफल बनाने के लिए नगर पालिका मे बैठक का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷ । एक जुलाई से शुरू होने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के लिए नगर पालिका परिषद कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की ओर से पहुंचे बीसीपीएम राजेश कुमार व बीएचडब्ल्यू आशीष कुमार ने स्टाफ को संचारी रोगों की रोकथाम, नियंत्रण व उन्मूलन के विषय में जानकारी दी। स्टाफ व सफाई नायकों को लोगों को साफ सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए कहा गया। ईओ ओम गिरी ने सफाई कर्मियों को नालियों की साफ बेहतर तरीके से करने व कहीं भी जलभराव न होने देने के निर्देश दिए। वहीं सभासदों से अभियान को सफल बनाने में मदद करने की अपील की। सभासद व नगर पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

त्योहारों को लेकर थाने में हुई शांति समिति की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

एसपी अभिषेक झा के निर्देश पर आगामी त्यौहार कावड़ यात्रा,मोहर्रम को लेकर एक शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी व थानाध्यक्ष सुमित राठी ने ग्राम प्रधानों सहित संभ्रांत लोगों के साथ बातचीत कर सभी को आपसी भाईचारा, सौहार्द व शांति व्यवस्था के साथ पर्व मनाने की अपील की।

गुरूवार को थाना प्रांगण में शांति समिति बैठक को सम्बोधित करते हुए सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी ने कहा कि शांति को बनाए रखने में ग्राम प्रधानों सहित दोनों समुदायों के धर्मगुरुओं पुलिस का सहयोग करे। सभी त्योहार को सादगी के साथ मनाएं। पर्व भाईचारे का संदेश देते हैं। शांति समिति की बैठक में उठाये गये बिन्दुओं से हमें आगामी त्यौहारों मोहर्रम व कावड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने हेतु कार्ययोजना बनाने एवं उनके क्रियान्वयन में मदद मिलेगी तथा किसी भी आने वाली समस्या का समाधान हम पहले से ही करने में सफल हो सकेगे।

इसके अलावा सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से ताजिये की ऊंचाई अधिक न रखें ताकि त्यौहार में कोई खलल न उत्पन्न हो। कोई भी नई परंपरा नहीं शुरू होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई होगी। यह आपका ही नहीं बल्कि हम सबका त्यौहार है। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान हाइवे पर बिल्कुल भी आवारा गोवंश दिखाई नही दे।

हाइवे से लगी ग्राम पंचायत के सभी प्रधान आवारा गोवंश को पकड़वाकर गोशाला में भिजवाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। कावड़ यात्रा में सभी को सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का पालन करना होगा किसी भी समस्या आने पर उन्हें या थानाध्यक्ष या हल्का इंचार्ज को सूचित कर समस्या का समाधान करा सकते हैं।

वही थानाध्यक्ष सुमित राठी ने कहा कि सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहारों को मनाए। कोई नई परंपरा अनुमति नहीं होगी। गाइडलाइन का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। कहा कि ताजिया की ऊंचाई परंपरा के अनुरूप ही हो। दुर्घटना का कारक बनने वाले अनावश्यक रूप से ओवरसाइज ताजिया जुलूस में न शामिल हों। पर्व-त्योहार में प्रशासन द्वारा आम जन को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। धार्मिक यात्राओं और जुलूसों में किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए।

प्रशासन की ओर से सोशल मीडिया पर विशेष सतर्कता एवं निगरानी बरती जाएगी।

कावड़ यात्रा के दौरान उन्होंने ग्राम प्रधानों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया। शांति समिति की बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा खेल सिंह राजपूत, प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश चौहान, प्रधान सुरेन्द्र सिंह, प्रधान पति तसव्वर कुरैशी, प्रधान कैलाश चौधरी, प्रधान पति रिजवान अहमद, प्रधान पति रईस एडवोकेट, प्रधान गुरवचन सिंह,प्रधान हरबंश सैनी,प्रधान गितेन्द्र चौधरी,प्रधान मुश्ताकीम मलिक,प्रधान ऋषिपाल सिंह,प्रधान जाकिर हुसैन,प्रधान पति वहीदुर्रहमान अंसारी तथा रोबिन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

ठेले पर चिकन बेच रहे दुकानदार को दूसरे ने चाकू मारकर किया घायल

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

नगर में ठेले पर चिकन पकौडी बेच रहे एक व्यापारी पर, दूसरे व्यापारी ने चाकू से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया। बीच बचाओ कराने आए तीसरे व्यापारी के हाथ पर भी चाकू लग गया, जिस से वह भी घायल हो गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

धामपुर क्षेत्र के शीला टाकीज चौराहे पर, गुलाब सिंह शाम के समय में ठेले पर चिकन पकौडी बेचता है, ।बीती रात भी वह अपने ठेले पर पकौडी बेच रहा था। पत्नी ने आरोप लगाते हुए बताया कि मेरे पति के ठेले पर चिकन पकौडी बेचते है। मेरे पति के पास ही अमित कुमार पुत्र नरेश कुमार भी ठेला लगाता है। हमारे पास ज्यादा ग्राहक आते थे और हमारा अच्छा काम चलता है।

इसी को लेकर अमित रंजिश रखता था। बीती रात अमित ने अचानक पीछे से आकर मेरे पति की गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया। मौके पर मौजूद गौतम कुमार ने बीच बचाव किया तथा बीच बचाओ में गौतम के हाथ पर भी चाकू लग गया। जिस से वह भी घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल गुलाब सिंह को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर केस दर्ज आरोपी को हिरासत में ले लिया है और जांच में जुट गई है।

पत्नी की शिकायत पर डीएम के आदेश अनुसार खुलवाई गई कब्र पोस्टमार्टम के बाद होगी कार्यवाही

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना धामपुर क्षेत्र में शादी के 5 साल बाद पति की मौत के बाद पत्नी ने डीएम से की शिकायत। पीड़िता की शिकायत पर 5 माह बाद कब्र से निकाला गया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताते चले कि पूरा मामला ग्राम नींदडु का है।

जहां पर 5 नवंबर 2017 को मृतक की शादी हुई थी जिसमें 4 वर्ष कुछ महा बाद में ही पति की मौत हो गई थी। पत्नी गुलनाज ने पति शादीक के परिजनों पर लगाया हत्या करने का आरोप। पत्नी गुलनाज ने बताया कि मेरे पति सादिक को मेरे ही ससुराल वालों ने मेरे पति के साथ लाठी डंडों द्वारा मारपीट की और उसके बाद मेरे पति का गला घोट कर उसे मार डाला है। इसके उपरांत में अपने मायके रह रही थी मुझे बिना जानकारी दिये मेरे पति को कब्रिस्तान में दफना दिया था। इसके बाद मैंने इस मामले की शिकायत डी एम साहब से की थी।

उसके उपरांत आज 5 महीने बाद बृहस्पतिवार की सुबह करीब 11:00 बजे मेरे पति शव को कब्र को खोलकर बाहर निकाला गया। जिसको पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

पत्नी की शिकायत पर डीएम के आदेश अनुसार एसडीएम रितु रानी के नेतृत्व में कबर को खोलकर शब को निकाल कर जिला अस्पताल के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

राशन डीलर की खुली बैठक में शुभम शर्मा निर्विरोध डीलर नियुक्त

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

डीएम बिजनौर जसजीत कौर के निर्देश पर अफजलगढ़ ब्लॉक के गांव भज्जावाला में नए राशन डीलर के चयन के लिए चुनाव हुआ, जिसमें शुभम शर्मा को सभी ग्राम वासियों ने सर्व सम्मति से राशन डीलर निर्विरोध चुना।

वही साढ़े पांच माह पूर्व गांव भज्जावाला में राशन डीलर सोनू कुमार के निधन हो जाने के बाद से ही राशन डीलर की दुकान खाली पड़ी थी। बृहस्पतिवार को अफजलगढ़ ब्लाक के गांव भज्जावाला में सहकारी समिति प्रांगण में राशन डीलर के चुनाव को लेकर एक खुली बैठक का आयोजन किया गया।

ग्राम पंचायत सचिव शरद चौहान व आईएसबी एडीओ इकबाल अहमद सहित आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में राशन डीलर के लिए चुनाव प्रक्रिया कराई गई जिसमें मात्र दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। खुली बैठक में शुभम शर्मा की ओर ज्यादा भीड़ देख कपिल चौहान ने भी अपना समर्थन राशन डीलर शुभम शर्मा को दे दिया गया था।

वही सर्व सम्मति से अधिकारियों की मौजूदगी में शुभम शर्मा को नया राशन डीलर चुना गया। ग्राम प्रधान हसीना जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में गांव के सहकारी समिति प्रांगण में खुली बैठक का आयोजन किया गया था।

चुनाव संपन्न कराने के लिए ग्राम पंचायत अधिकारी शरद चौहान व एडीओ आईएसबी इकबाल अहमद आदि आयोजित बैठक में मौजूद थे।

परिषद चुनाव को लेकर विधायक हरिसिह ढिल्लो ने जानी समस्याएं

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

शिक्षक विधान परिषद के चुनाव को लेकर बृहस्पतिवार को वित्तविहिन स्कूलो के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व शिक्षको की बैठक में शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि शिक्षको की समस्याओ को लेकर सरकार गंभीर है।उनकी समस्याओ को प्राथमिकता से हल किया जा रहा है। उन्होंने आगामी चुनाव में जुट जाने का आह्वान किया।

गुरुवार को नहटौर नूरपुर मार्ग स्थित गांव शादीपुर में एक इंटर कॉलेज में शिक्षक विधान परिषद के आगामी चुनाव को लेकर वित्तविहीन स्कूलों के प्रबंधको प्रधानाचार्य शिक्षकों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों ने भाग लिया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षकों के लिए बेहतर कार्य कर रही है। शिक्षकों को एकजुट होना आवश्यक है। संगठित होकर ही समस्याओं का समाधान होता है।

पूर्व की सरकारों ने शिक्षकों से केवल वोट लेने का काम किया है।सभी शिक्षक आगामी चुनाव को लेकर एकजुट हो जाए।इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार शोभित त्यागी अमित चौहान दानवीर चौहान अतुल कुमार सत्यवीर सिंह कपिल देव शर्मा शिवकुमार कटारिया शीतल चौहान सर्वेश कुमार आदि मौजूद रहे।

युवक ने तहसील परिसर में अपने उपर पेट्रोल डालकर किया आत्म हत्या का प्रयास

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भूमि के दाखिल खारिज के एक मामले में तहसीलदार के निर्णय से क्षुब्ध होकर एक युवक ने परिवार सहित तहसील पहुंचकर तहसीलदार कक्ष के सामने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह करने का असफल प्रयास किया तथा उसके परिवार के लोगों ने महिलाओं सहित जमकर हंगामा किया।

जिससे तहसील परिसर में हड़कंप मच गया युवक का आरोप था कि तहसीलदार ने उनके साथ नाइंसाफी की है। घटना से मौके पर अधिकारियों सहित तमाम लोग एकत्र हो गये सूचना पर पहुंची पुलिस आत्मदाह का प्रयास करने वाले युवक को पकड़कर उसके परिजनों सहित थाने ले गई।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मौहल्ला कस्बा निवासी दो पक्षों आदिल अब्बास व महफूज में काश्त की भूमि के दाखिल खारिज को लेकर तहसीलदार न्यायालय में मामला चल रहा था गुरुवार को तहसीलदार द्वारा दिये गये निर्णय से एक पक्ष के लोग सहमत नहीं हुये तथा निर्णय से क्षुब्ध होकर एक पक्ष का युवक आदिल अपने परिवार लोगों के साथ पेट्रोल से भरी बोतल लेकर तहसील में तहसीलदार कक्ष के सामने पहुंच गया।

जहां युवक ने तहसीलदार पर अनेक आरोप लगाते हुये आत्मदाह करने के उद्देश्य से सरेआम अपने उपर पेट्रोल छिड़क लिया तथा उसके परिवार के लोगों ने जमकर हंगामा किया।

हंगामा बढ़ता देख मौके पर अधिकारियों सहित तमाम लोग एकत्र हो गये सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को पकड़कर थाने ले गई और अग्रिम कार्यवाही में लग गई। उधर तहसीलदार आशीष सक्सैना ने मीडिया कर्मियों को बताया कि बैनामें के आधार पर निर्णय देकर दोनों पक्षो के हक में हक के आधार पर दाखिल खारिज के आदेश दिये गये हैं उन्होंने बताया कि आदिल पक्ष चाहता था कि कुल भूमि का दाखिल खारिज उसके हक में हो दबाव बनाने के लिए उन्होंने ऐसा कार्य किया है।

दहेज के लिए विवाहिता के साथ मारपीट, पुलिस को तहरीर दी

प्रेम प्रसंग के चलते ढाई माह पूर्व हुई थी शादी, अब टूटने का कगार पर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

प्रेम प्रसंग के चलते ढाई माह पूर्व हुई शादी टूटने की कगार पर पहुंच गई। दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता के साथ मारपीट की गई। मारपीट में घायल हुई विवाहिता वामुश्किल ससुराल से निकलकर मायके पहुंची। उसे नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया गया।

नहटौर क्षेत्र के गांव महमूदपुर बुजुर्ग निवासी मधु पुत्री जसवंत की शादी करीब ढाई माह पूर्व स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव रामपुर हल्दुआ माफी निवासी सौरभ पुत्र

मान सिंह से हुई थी। बताया जाता है की प्रेम प्रसंग के चलते यह शादी हुई थी। मधु का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष की ओर से दहेज में 5 लाख रुपये एक कार की मांग की जाने लगी। दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसका उत्पीड़न करना शुरू कर दिया गया। बुधवार को उसके साथ मारपीट की गई।

इसके बाद वह वामुश्किल वहां से निकलकर अपने मायके पहुंची।घायल अवस्था में उसे नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया गया।थाना अध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि घायल का मेडिकल कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

चोरी के मोबाइल सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

बरौला जाफराबाद निवासी पीड़िता ने थाना बन्नादेवी पर सूचना दी कि विगत 02 जून 2025 उनके घर से मोबाइल किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है, जिसके सम्बन्ध में बीएनएस पंजीकृत किया गया।

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बन्नादेवी पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की सहायता से बीएनएस में वांछित अभियुक्त अजीम पुत्र रहमत अली निवासी फौजी स्कूल के पास गली नं0-9 शंहशाहबाद नगला पटवारी थाना क्वार्सी जनपद अलीगढ़ को बरौला जाफराबाद रोड नगर निगम कार्यालय के पास से चोरी का मोबाइल सहित गिरफ्तार किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना इगलास क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय मजदूर पवन की मौत हो गई, गुरुवार सुबह उनका शव सड़क किनारे मिला, घटनास्थल से कुछ दूर उनकी क्षतिग्रश्त बाइक भी बरामद हुई।

गॉव जटवार के निवासी पवन बुधवार रात को निजी काम से बाइक लेकर घर से निकले थे। पुलिस को गुरुवार सुबह सूचना मिली कि जटवार के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस ने शव की पहचान पवन के रूप में की।

प्रारंभिक जॉच में पता चला कि किसी अज्ञात वाहन से टक्कर के बाद पवन सड़क किनारे गिर गए। मृतक के भाई रामेश्वर ने बताया कि पवन मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में चार बेटियां और दो बेटे हैं।

पवन की अचानक मौत से परिवार में मातम छा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार पवन मेहनती और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। थाना इगलास पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जॉच कर रही है। इससे

मण्डलायुक्त ने मण्डलीय समीक्षा बैठक में दिए स्पष्ट निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

कमिश्नरी सभागार में मण्डलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह की अध्यक्षता में मण्डलीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अलीगढ़, एटा, कासगंज और हाथरस जनपदों की विकास परियोजनाओं, कानून व्यवस्था, राजस्व संग्रह और जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में चारों जनपदों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं सम्बन्धित विभागों के मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए उन्हें समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए।

विशेष रूप से जे.पी. नारायण सर्वोदय विद्यालयों के निर्माण में देरी पर उन्होंने यूपी सिडको के प्रति नाराजगी प्रकट करते हुए कार्यों में तेजी लाने और लेट-लतीफी पर शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में मई माह की प्रदेश शतरीय रैंकिंग में मण्डल की पिछड़ती स्थिति पर भी चर्चा हुई। अलीगढ़ 58वें, एटा 67वें, कासगंज 70वें और हाथरस 27वें पायदान पर रहा। इस पर नाराजगी जताते हुए मण्डलायुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे टीम भावना से कार्य करते हुए सुधार के प्रयासों को तेज करें। उन्होंने कहा कि हाथरस ने जहाँ सुधार किया है, अलीगढ़ में मामूली तो वहीं एटा और कासगंज की रैंकिंग में सर्वाधिक गिरावट दर्ज की गई है, जोकि खेदजनक है।

मण्डलायुक्त ने पुलिस प्रशासन को कानून व्यवस्था के प्रति सतर्क रहते हुए अपराध, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा एवं माफिया विरोधी कार्यवाही में और अधिक प्रभावशीलता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा आरंभ होने वाली है। सड़कों की मरम्मत कर ली जाए। मोहर्रम के जलूस में ताजिया निकलते हैं जिनकी ऊंचाई को ध्यान में रखते हुए विद्युत तारों को दुरुश्त कर लिया जाए। उन्होंने त्योहारों के दौरान यातायात प्रबंधन, विद्युत व्यवस्था, सफाई, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, संचारी रोग नियंत्रण और ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। राजस्व वसूली, लंबित वादों के निश्तारण और जनसुनवाई की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

फैमिली आईडी पोर्टल पर लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की विसंगति पर विशेष ध्यान देने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। मंडलायुक्त ने रासायनिक उर्वरकों, खाद बीज, कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही मिलावट एवं कालाबाजारी, घटतौली पर विशेष निगाह रखने के निर्देश दिए। नई सड़कों के निर्माण में अलीगढ़, एटा, कासगंज और हाथरस की प्रगति धीमी रही, जिस पर नाराजगी जताई गई।

दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

3 यू0पी0 गर्ल्स बटालियन एनसीसी द्वारा संचालित वार्षिक संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन सीबी गुप्ता सरस्वती विद्या पीठ स्कूल, मथुरा रोड, अलीगढ़ में 17 जून से 26 जून 2025 तक किया गया।

दस दिवसीय कैंप में 430 एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, शिविर का संचालन कर्नल ललित पंवार, कमांडिंग ऑफिसर, 3 यूपी गर्ल्स बटालियन के सशक्त नेतृत्व में हुआ, जिसके साथ मिला सेना के पीआई स्टाफ, सहयोगी एनसीसी अधिकारियों एवं गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टर्स की प्रतिबद्ध टीम का।

शिविर के दौरान कैडेट्स ने पीटी, ड्रिल, खेलकूद, फायरिंग, सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को विशेष रूप से मनाया गया जिसमें सीबी गुप्ता स्कूल के प्रबंधन और शिक्षकों की

सक्रिय भागीदारी रही। साइबर सुरक्षा, ट्रैफिक अनुशासन, सोशल मीडिया से सावधानी, जीवन जीने की कला, अग्नि सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, तथा अग्निवीर और सैन्य अधिकारी बनने के फायदे जैसे विषयों पर आयोजित विशेष व्याख्यान। इसके अतिरिक्त टग ऑफ वॉर, पोस्टर मेकिंग ,वाद-विवाद, फायरिंग, ग्रुप सॉन्ग, नृत्य, रंगोली एवं ड्रिल जैसी अंतर विद्यालय प्रतियोगिताओं में कैडेट्स ने शानदार प्रदर्शन किया।

कैंप के समापन समारोह में 100 से अधिक कैडेट्स को विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार प्रदान किए गए। समापन सत्र के दौरान कैंप कमांडेंट कर्नल ललित पंवार ने सभी सहयोगी एनओ, सीटीओ, जीसीआईज और समश्त स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विशेष रूप से सीबी गुप्ता स्कूल के प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और प्रधानाचार्य श्री कुमुदेश कुमार, सचिव डॉ. राजीव वार्ष्णेय और माननीय चेयरमैन का उत्कृष्ट सहयोग और व्यवस्थाओं के लिए विशेष धन्यवाद किया।

कर्नल पंवार ने सूबेदार मेजर नरेंद्र और वरिष्ठ जीसीआई निधि यादव की सराहना की, जिन्होंने कैंप की कमांड एवं नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कैम्प के सफल आयोजन से कैडेट्स को अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और राष्ट्र सेवा की भावना का सशक्त अनुभव प्राप्त हुआ, जिसे वे ताउम्र अपने हृदय में संजो कर रखेंगी।

संपादकीय

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है। इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था। जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं।

सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इश्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज़ में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फ़हान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज़ और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं।

अमेरिका ने नातान्ज़ और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फ़हान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर क़ोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिज़ाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है। यह सुविधा लगभग 54, 000 वर्ग फीट में फैली हुई है और माना जाता है कि इसमें 3, 000 सेंट्रीफ्यूज हैं। 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना की शर्तों के तहत, ईरान को फोर्डो में संवर्धन गतिविधियों का संचालन करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। बी-2 बमवर्षक विमान जमीन से 200 फीट नीचे तक बहुत ही आक्रामक होता है, चाहे वह स्टील हो या कंक्रीट अब जबसिजफायर की घोषणा हुई है तो शांति से काम लेना चाहिएदूसरे देश ईरान पर युद्ध के लिए दबाव बना रहे हैं कि ईरान को परमाणु बम मिल जाएगा जिससे तनाव का माहौल बन रहा है। ट्रंप ने जो भी कहा है कि इजरायल उसके खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगा। ईरान को परमाणु बम मिलने पर पूरी तरह से ईरान आक्रामक पूरी तरह से आक्रामक हो गया हैजिससे आम जनता को नुकसान हो रहा है 1960 के दशक की शुरुआत में, राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसने उनके प्रशासन को इजरायल की गुप्त परमाणु महत्वाकांक्षाओं में उलझा दिया। इस संघर्ष के केंद्र में इजरायल का परमाणु हथियार कार्यक्रम था, जिसका जेकेएफ़ (जेकेएफ) ने कड़ा विरोध किया, खासकर यह पता चलने के बाद कि देश अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से यूरेनियम प्राप्त कर रहा था।

इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और चुराए गए यूरेनियम का मामला दशकों से साज़िश और संदेह का स्रोत रहा है, कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के परमाणु विकास के प्रति कैनेडी के विरोध ने 1963 में उनकी दुखद हत्या में योगदान दिया हो सकता है। परमाणु प्रसार पर कैनेडी की स्थिति अडिग थी। उन्होंने परमाणु हथियारों के प्रसार को वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा, और इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाएं उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय थीं। राष्ट्रपति ने इजरायल सरकार पर अपने गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) द्वारा इजरायल की डिमोना परमाणु सुविधा के संस्थागत, नियमित निरीक्षण के लिए दबाव डाला।

यह न केवल एक कूटनीतिक चिंता थी बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था। कैनेडी के लिए, परमाणु प्रसार की क्षमता उनका निजी दुःस्वप्न था, जैसा कि परमाणु ऊर्जा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष ग्लेन सीबोर्ग ने उल्लेख किया था। कैनेडी के प्रयासों के बावजूद, प्रधान मंत्री डेविड बेन-गुरियन सहित इजरायली अधिकारियों ने परमाणु हथियार विकसित करने के किसी भी इरादे से इनकार किया। सुविधा पर निर्माण 2006 में शुरू हुआ, लेकिन संवर्धन संयंत्र के अश्तित्व का खुलासा अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को ईरान द्वारा 21 सितंबर 2009 को किया गया जब यह साइट पश्चिमी खुफिया सेवाओं को पता चल गई। पश्चिमी अधिकारियों ने साइट का पहले खुलासा नहीं करने के लिए ईरान की कड़ी निंदा की; अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि फोर्डो अमेरिकी निगरानी में था। ईरान का तर्क है कि यह खुलासा आईएईए के साथ उसके सुरक्षा समझौते के तहत उसके कानूनी दायित्वों के अनुरूप था, जिसके बारे में ईरान का दावा है कि ईरान को परमाणु सामग्री प्राप्त करने से 180 दिन पहले नई सुविधाओं की घोषणा करनी होगी।

आईएईए ने कहा कि ईरान 2003 में अपने समझौते से बाध्य है कि जैसे ही ईरान ने इसका निर्माण करने का फैसला किया, उसे सुविधा की घोषणा करनी होगी। हां, परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (टीपीएनडब्ल्यू) के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत परमाणु हथियारों की बिक्री पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। 2017 में अपनाई गई यह संधि न केवल बिक्री, बल्कि परमाणु हथियारों के विकास, परीक्षण, उत्पादन, भंडारण और उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाती है। हालाँकि सभी देशों ने टीपीएनडब्ल्यू पर हश्ताक्षर नहीं किए हैं, जिसमें सभी परमाणु हथियार वाले देश भी शामिल हैं, लेकिन यह इन हथियारों के वैश्विक निषेध की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएईए के दिशा-निर्देशों के अनुसार परमाणु बम के डिजाइन के लिए परमाणु सामग्री बिना सुविधा के नहीं बनाई जा सकती है। और जब सुविधा नष्ट हो जाती है तो परमाणु बम नहीं बनाया जा सकता. ने सही नहीं किया लेकिन अमेरिका एक ऐसा देश है जो अगर नुकसान हुआ तो फिर से भारी युद्ध करेगा उसके मित्र देश देश युद्ध के लिए उसका रहे है जो नहीं करना चाहिए है जो दुनिया को तबाह केर देगी।

वैश्विक शांति और वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य

विवेक रंजन श्रीवास्तव

शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात एक नए शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के उदय की आशा थी परन्तु इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक में दुनियां एक विडंबनापूर्ण वाश्तविकता के समक्ष आ खडी हुई है।

ऐसा युग जहाँ अंतर्संबंध और तकनीकी प्रगति की अभूतपूर्व ऊँचाइयों के बावजूद, युद्ध और संघर्ष पहले से कहीं अधिक व्यापक हैं। रूस यूक्रेन में चार साल से युद्ध, इजराइल और फिलिश्तीन के बीच अत्यधिक हिंसक और जटिल संघर्ष, अफ्रीका के विभिन्न क्षेत्रों में जारी गृहयुद्ध, एशिया में तनावपूर्ण सीमा विवाद, और सीरिया, यमन जैसे देशों में अभी भी चल रहे संकट के बीच ईरान इजराइल युद्ध में अमेरिका की एंट्री से विश्व शांति पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। भारत पाकिस्तान तनाव, चीन ताइवान, कोरिया तथा ऐसे ही अन्य विवाद एक ऐसी कठोर वाश्तविकता की ओर इंगित करते हैं जहाँ स्थाई वैश्विक शांति एक दूर का, अस्पष्ट सा लगने वाला लक्ष्य प्रतीत होता है।

वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य की जटिलताओं और उसके सामूहिक प्रयासों से वैश्विक शांति की ओर बढ़ने की चुनौतियों पर विचार और गंभीर काम करना अत्यंत प्रासंगिक है।

आज के युद्धों की प्रकृति पारंपरिक सीमाओं को लांघ चुकी है। वे केवल दो राष्ट्रों के बीच सीमित संघर्ष नहीं रहे। इनमें प्रॉक्सी युद्धों का बोलबाला है जहाँ महाशक्तियाँ अन्य देशों या समूहों के माध्यम से अपने हित साधती हैं जैसा सीरिया या यमन में देखा गया। युद्ध तकनीक का प्रयोग बढ़ा है, जहाँ छोटे समूह या गैर-राज्य बड़ी सेनाओं के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध और आतंकवादी हमलों का सहारा लेते हैं।

साइबर युद्ध एक नया और खतरनाक मोर्चा खोल चुका है जिसमें बुनियादी ढांचे पर हमले, विघटनकारी प्रचार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा शामिल है। सूचना युद्ध, झूठी खबरों और प्रोपेगैंडा के माध्यम से जनमत को प्रभावित करने और विभाजित करने का प्रयास करता है। ये सभी पहलू युद्ध को और अधिक विनाशकारी, टिकाऊ और समाधान के लिए दुर्गम बना देते हैं।

इन संघर्षों के मूल में अनेक जटिल और अक्सर गुंथे हुए कई कारण निहित हैं। भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, विशेष रूप से अमेरिका और चीन के बीच तथा रूस की पश्चिम के साथ बढ़ती टकराहट, अंतरराष्ट्रीय तनाव के प्रमुख स्रोत है।

ये प्रतिस्पर्धाएँ व्यापार, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए हैं जो अक्सर अन्य देशों में संघर्षों को हवा देती हैं। संसाधनों पर नियंत्रण चाहे वह तेल, गैस, खनिज हों या पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताएँ, भीषण संघर्षों को जन्म देते रहे हैं।

पहचान की राजनीति, जातीय, धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान पर आधारित गहरे विभाजन और वैमनस्य अक्सर हिंसा को ईंधन देते हैं, जैसा म्यांमार में रोहिंग्या संकट या अफ्रीका के कई हिस्सों में देखा जा सकता है।

आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर संस्थान, भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता गृहयुद्धों और राज्य-विफलता को जन्म देते हैं। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन एक और खतरे के रूप में उभरा है, जो संसाधनों की कमी पैदा करके और पलायन को बढ़ावा देकर मौजूदा तनावों को बढ़ाता है और नए संघर्षों का कारण बनता है।

इस चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में वैश्विक शांति की अवधारणा और उसकी प्राप्ति एक कठिन कार्य है। शांति का अर्थ अब केवल गोलाबारी का बंद होना नहीं रह गया है। एक सकारात्मक, गतिशील और न्यायपूर्ण स्थिति आवश्यक है जिसमें संघर्षों को शांतिपूर्ण तरीकों से हल करने की व्यवस्थाएँ हों, मानवाधिकारों का सम्मान हो, सामाजिक न्याय हो और टिकाऊ विकास के अवसर हों। हालाँकि, वर्तमान व्यवस्था इस दिशा में गंभीर बाधाएँ प्रश्तुत करती है। बहुपक्षीय संस्थान, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अक्सर महाशक्तियों के वीटो के कारण गतिरोध का शिकार हो जाते हैं और प्रमुख संकटों में कारगर हश्तक्षेप करने में अक्षम साबित होते हैं।

शस्त्रों की दौड़, विशेषकर परमाणु हथियारों का प्रसार, विनाश का एक स्थायी खतरा पैदा करता है। आर्थिक असमानता और विकास का असंतुलन, वैश्विक असंतोष और अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं। कट्टर धार्मिकता, राष्ट्रवाद और अलगाववाद की बढ़ती प्रवृत्तियाँ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को कमजोर करती हैं।

निराशा के इस माहौल में भी, वैश्विक शांति की दिशा में आगे बढ़ने के मार्ग हैं। सबसे पहले, बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित और सुधारने की तत्काल आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और कार्यक्षम बनाना होगा, जहाँ शक्ति का संतुलन वाश्तविक वैश्विक जरूरतों को दर्शाता हो।

क्षेत्रीय संगठनों जैसे अफ्रीकी संघ, यूरोपीय संघ, आसियान की भूमिका को मजबूत करना चाहिए, क्योंकि वे स्थानीय संदर्भ को बेहतर ढंग से समझते हैं।

दूसरा, संघर्षों की रोकथाम पर जोर देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए तनाव के प्रारंभिक संकेतों की पहचान करना, राजनयिक संवाद को निरंतर बनाए रखना, आर्थिक और राजनीतिक दबाव के शांतिपूर्ण उपायों का प्रयोग करना और गहरे जड़ जमाए कारणों असमानता, लोकतांत्रिक शासन की कमी को सुधार करना शामिल है। तीसरा, आर्थिक विकास, अंतर्राष्ट्रीय श्तर पर सहायता को शांति के साधन के रूप में बढ़ावा देना चाहिए।

जब देश व्यापार, निवेश और विकास परियोजनाओं के माध्यम से एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, तो युद्ध की लागत बहुत अधिक हो जाती है।

संघर्ष समाधान और शांति निर्माण के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता आवश्यक है। युद्धविराम के बाद राष्ट्रीय पुनर्निर्माण, न्यायिक प्रक्रियाओं सत्य एवं सुलह आयोग, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और आर्थिक पुनर्वास में निवेश करना होगा। अंततः, जलवायु परिवर्तन जैसे अश्तित्व गत खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है, क्योंकि ये खतरे सभी राष्ट्रों के सामान्य भविष्य को प्रभावित करते हैं और संघर्ष के नए स्रोत पैदा कर सकते हैं।

र्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। यह एक ऐसी दुनिया को दर्शाता है जो अभी भी शक्ति, भय और विभाजन की प्राचीन प्रवृत्तियों से ग्रश्त है। यद्यपि इतिहास यह भी सिखाता है कि सहयोग, संवाद और साझा मानवता की भावना के माध्यम से ही शांति संभव है।

वैश्विक शांति कोई सहज प्राप्य उपलब्धि नहीं है, यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, रचनात्मक राजनय, संस्थागत सुधार और प्रत्येक श्तर पर न्याय के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है।

युद्ध की भयावह लागत, जीवन की हानि, मानवीय पीड़ा, आर्थिक विनाश और पर्यावरणीय क्षति हमें याद दिलाती है कि शांति के लिए प्रयास करना कोई नैतिक विलासिता नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अश्तित्व और समृद्धि के लिए एक परम आवश्यकता है।

वर्तमान चुनौतियाँ कितनी भी गहरी क्यों न प्रतीत हों, शांति की आकांक्षा को निरंतर बनाए रखना और उसके लिए सक्रिय रूप से कार्य करना ही एकमात्र मानवीय विकल्प है।

गांधी जी के शब्दों में, "यदि हम दुनिया में वाश्तविक शांति चाहते हैं, तो हमें बच्चों के साथ शुरुआत करनी होगी। " भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक शांतिपूर्ण विश्व बनाने का संकल्प ही वर्तमान अंधेरे में आशा की किरण जलाए रख सकता है।

लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावट : एक चिंताजनक संकेत

प्रियंका सौरभ

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पर्दाफाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है।

वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है—आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1% है, जो वैश्विक औसत 68.5% से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है।

आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9% पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20–30% कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है।

शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70% है,

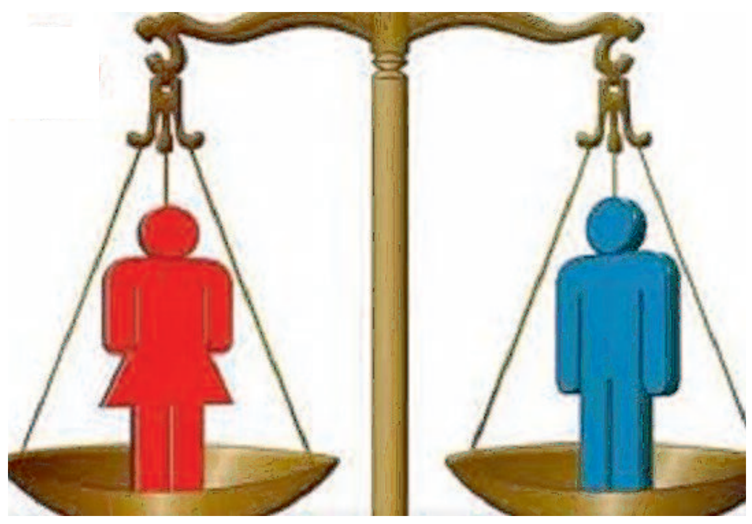

जो वैश्विक औसत 87% से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ—जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी—अब भी मौजूद हैं।

स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है।

राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8% रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6% महिलाएँ हैं। य

ह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है।

भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने

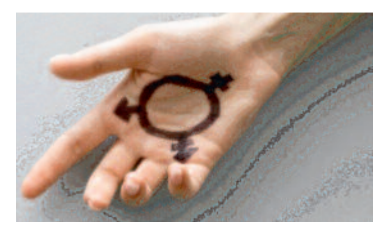

धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दर्शाता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीयत चाहिए। लैंगिक समानता केवल एक सामाजिक उद्देश्य नहीं, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए भी अनिवार्य है। मैकिंज़ी ग्लोबल संस्थान का अनुमान है कि यदि भारत कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाता है, तो 2025 तक अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 700 अरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और शासन में महिलाओं की भागीदारी से सामाजिक परिणाम भी अधिक न्यायसंगत और समावेशी होते हैं। भारत की जनसांख्यिकीय क्षमता तभी सार्थक होगी, जब उसमें महिलाओं की पूरी और समान भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

किन्तु चुनौतियाँ गहरी हैं। पितृसत्तात्मक सामाजिक मूल्य, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सुरक्षा की कमी, डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुँच और नीतियों के क्रियान्वयन में ढिलाई—ये सभी मिलकर लैंगिक असमानता को टिकाऊ बना रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत केवल योजना बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें ज़मीन पर उतारे।

महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने हेतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल कर उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था की जाए, विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-नगरीय क्षेत्रों में।

निजी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक की अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटॉरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ। डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए महिलाओं को सश्ते मोबाइल व इंटरनेट सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को पंचायत श्तर तक पहुँचाया जाए।

हर योजना और सर्वेक्षण में लैंगिक रूप से अलग आँकड़े संकलित करना अनिवार्य हो ताकि राज्य और जिले श्तर पर प्रगति की निगरानी की जा सके और नीति निर्माण अधिक लक्षित हो सके। भारत की लैंगिक समानता में यह गिरावट केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है—कि हमने विकास की दौड़ में आधी आबादी को पीछे छोड़ दिया है। यह भूल केवल सामाजिक न्याय की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि की भी कीमत वसूलती है।

समानता की राह लंबी है, पर असंभव नहीं। नीति बन चुकी है, दिशा स्पष्ट है, अब आवश्यकता है राजनीतिक संकल्प, सामाजिक सहमति और संस्थागत क्रियान्वयन की। जब तक भारत अपनी आधी आबादी को बराबरी का स्थान नहीं देगा, तब तक 'विकसित राष्ट्र' का सपना अधूरा रहेगा।

हमारा युद्धविराम, उनका युद्धविराम!

शकील अख्तर

आज खोमेनेई के साथ ट्रंप का नेतृत्व भी चर्चाओं में है। हालांकि दोनों एक-दूसरे को सख्त नापंसद करते है। फि पर दोनों की हिम्मत की चर्चा है।

ऐसे ही यूक्रेन के जेलेन्स्की और रूस के पुतिन भी अपने देश हित, अपनी शर्तों पर लगातार लड़ते हुए है। दोनों ट्रंप के सामने अपनी बात दबंगी से बोलते हैं। मगर हमारे यहां सेना की बढ़त थी तो अचानक ट्रंप द्वारा घोषित सीजफायर को तुरंत मान लिया गया। दुनिया ने जाना देखा कि युद्धविराम पाकिश्तान के फायदे के लिए था।

हर समय एक विशिष्ट पैमाना होता है काल का। वह क्या-कैसा होगा, यह कोई तय नहीं कर सकता। वह अचानक ही समय के गर्भ से प्रस्फुटित होता है। और फिर दुनिया समय के उसी पैमाने पर व्यक्ति को आंकती है। इस समय सारी दुनिया नेतृत्व के भंवर में है। हर जगह चर्चा है कि नेतृत्व ऐसा होना चाहिए या वैसा होना चाहिए! जाहिर है कि इस सप्ताह के घटनाक्रम में पहला नाम ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का है। जिन्होंने इजराईल और अमेरिका को संघर्ष विराम पर मजबूर कर दिया। नहीं तो यह दोनों ईरान को तहस नहस करने, अली खामेनेई को जान से मारने की बातें कर रहे थे। दुनिया का एक बड़ा हिस्सा भी खामेनेई को खलनायक की तरह पेश कर रहा था।

मगर उन्होंने इतनी बहादुरी से लड़ा, अपनी सेना की ताकत से दस गुना बेहतर प्रदर्शन किया कि जो लोग उनका मजाक उड़ा रहे थे, हल्के में आंक रहे थे आज वे भी उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। कामयाबी सही और गलत की सारी धारणाएं बदल देती है। इसको इस तरह देखें कि नेतृत्व के पैमाने पर खामेनेई का नाम तो सबसे उपर आ ही रहा है। मगर आप अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आत्मविश्वासी नेतृत्व को भी नहीं नकार सकते।

फिर वही बात कि सही और गलत का फैसला अपने अपने संदर्भों में होता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने डेढ़ महीने के अंदर दो बड़े युद्ध विरामों की घोषणा की। पहले भारत-पाक के बीच और अब ईरान-इजराइल के बीच। और यह दूसरी तो बड़ी गाली देते हुए धमकी के साथ। अब इन युद्धविरामों के फायदे नुकसान हर देश के हिसाब से अलग अलग हैं। मगर ट्रंप में वह ताकत थी कि खुद युद्ध विरामों की घोषणा कर सकते थे तो किया। नेतृत्व की यही पहचान होती।

तो खोमेनेई के साथ ट्रंप का नेतृत्व भी आज चर्चाओं में है। और आप एक जबरदश्त विरोधाभास देखिए कि दोनों एक दूसरे को सख्त नापंसद करने वाले। दो विपरीत ध्रुव मगर दोनों छा गए। और एक दूसरा उदाहरण दे रहे हैं। यहां भी नेतृत्व की मजबूती देखिए। यूक्रेन के जेलेन्स्की और रूस के पुतिन की। करीब साढ़े तीन साल हो गए दोनों को लड़ते हुए।

ट्रंप ने दूसरी बार सत्ता में आने के बाद सबसे पहले इन दोनों के बीच ही युद्ध विराम करवाने की कोशिश की। मगर जैसा ईरान ने किया है वैसे ही यह दोनों भी अपने समय और शर्तों पर चाहते हैं। अपने अपने देश के हित दोनों के सामने हैं और उसके लिए ट्रंप के सामने दबंगी से बोलते हैं।

जेलेन्स्की की वह वीडियो तो वायरल है जिसमें वे ट्रंप और वहां के उप-राष्ट्रपति वेन्स के साथ तीखी बहस कर रहे हैं। और साफ कह रहे हैं कि वे युद्ध विराम को नहीं मानेंगे। फिर वही बात सही और गलत का फैसला बाद में इस आधार पर होगा कि कि युक्रेन ने उस दिन समझौता न करके क्या उससे ज्यादा कुछ हासिल किया।

लेकिन तीन महीने पहले उस दिन दिन अमेरिकी राष्ट्रपति के दफ्तर ओवल आफिस में जिस तरह जेलेन्स्की ने अपने देश का पक्ष रखा उससे वे मजबूत नेता के तौर पर उभर कर सामने आ गए। जहां तक पुतिन का सवाल है तो वह अमेरिका के खिलाफ इस समय सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। उनका मजबूत नेतृत्व ही है कि सारे नाटो देशों का ताकत के सामने वह अकेले लड़ रहे हैं।

तो आपने देखा कि अपने अपने देश के हितों के लिए व्यक्तिगत छवि की कोई परवाह किए बिना इन नेताओं ने काम किया। और अपने अपने देश में इज्जत कमाने के साथ अन्तरराष्ट्रीय श्तर पर भी नाम किया। लेकिन

सब नेता ऐसा नहीं कर पाते हैं। हमारे यहां जब सेना बढ़त पर थी तो अचानक ट्रंप द्वारा घोषित सीजफायर स्वीकार कर लिया। पूरे देश में निराशा का माहौल छा गया। यहां यह समझना जरूरी है कि सीजफायर पाकिश्तान को तो सूट करता था।

उसकी सेना हमारी सेना का मुकाबला नहीं कर सकती थी। अगर 10 मई को शाम पांच बजे ट्रंप की घोषणा के मुताबिक युद्द विराम नहीं होता तो पाकिश्तान को बहुत नुकसान हो जाता। युद्ध विराम पाकिश्तान के फायदे के लिए था। उसने इसके लिए ट्रंप का धन्यवाद किया। नोबल शांति पुरस्कार के लिए उनका नाम प्रश्तावित किया। उनके आर्मी चीफ आसीम मुनीर जो बड़ी हार के बाद पाकिश्तान में खलनायक बन जाते प्रमोशन पाकर फील्ड मार्शल बन गए। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें लंच के लिए न्यौता दिया।

कितने आश्चर्य दुःख की बात है कि कहां सेनाध्यक्ष का लंच और कहां हमारे प्रधानमंत्री पब्लिक मीटिंग में कह रहे हैं कि मुझे भी खाने पर बुलाया था। उसके समकक्ष खुद को रखना देश का अपमान है। ट्रंप ने हमारे सेनाध्यक्ष को बुलाया होता समझ में आता। मगर प्रधानमंत्री ने क्या किया क्या बोल रहे हैं किसी की समझ में नहीं आ रहा।

ट्रंप द्वारा घोषित युद्धविराम क्यों माना? आज तक इसका जवाब नहीं दिया। 10 मई के बाद बहुत बोले कई भाषण किए मगर इस बात को जवाब नहीं दिया कि युद्ध विराम का समय जैसा ईरान ने अपनी मर्जी से चुना वे क्यों नहीं चुन पाए? ट्रंप ने कहा शाम पांच बजे। ठीक पांच बजे हमारी सेना से कार्रवाई बंद करवा दी।

मगर पाकिश्तान जिसके जरूरत थी युद्ध विराम की वह अपनी सार्वभौमिकता दिखाने के लिए ड्रोन पहुंचाता रहा। लोगों को अगर इस मौके पर इन्दिरा गांधी याद गईं तो क्या गलत याद आईं। मजबूत नेतृत्व की यही तो खूबी होती है कि वह सही समय पर लोगों के जेहन में अचानक आ उभरता है। 1971 का युद्ध, बांग्लादेश का बनना, अमेरिका का इसे रोकने की कोशिश, इन्दिरा का कड़ा जवाब सब लगों को याद आ गया।

अब इसे कमतर दिखने के लिए कहा जाना लगा कि उस समय जनरल मानेकशा थे। क्या मजाक है? वह भी अपने देश के जनरलों के साथ। जनरल मानेकशा थे बड़े फौजी मगर इसका क्या मतलब कि आज के जनरल कम हैं? कुछ भी बोल देते हैं। नेतृत्व राजनीतिक होता है। और युद्धकाल या युद्ध समान स्थिति में वोट के लिए काम नहीं करता। अपनी व्यक्तिगत छवि बनाने की कोशिश नहीं करता।

सिर्फ एक पैमाना होता है देश हित का। और अभी जो उपर नाम गिनाए अली खामेनेई का, जेलेन्स्की का, पुतिन का और ट्रंप का उन सबने अपने राष्ट्रीय हित देखते हुए फैसले लिए। गौर कीजिए इन नामों में इजाराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का नाम नहीं आ पाया। अन्तरराष्ट्रीय मीडिया से लेकर डिप्लोमेट सब उनकी आलोचना कर रहे हैं कि उन्होंने ईरान पर हमला करके अपने देश की सुरक्षा खामियों की पोल खुलवा दी।

खुद को बहुत बड़ा तीसमारखां साबित करने के चक्कर में नेतन्याहू ने ईरान पर हमला कर दिया था। नतीजा क्या हुआ? जो आयरन डोम का हव्वा खड़ा कर रखा था वह ईरान की मिसाइलों के सामने नाकाम हो गया। प्रचार के जरिए एक छवि बना रखी थी अजेय होने की वह चूर चूर हो गई।

नेता वह जो देश की छवि को और निखारे। यहां जो इजराइल की छवि थी वह नेतन्याहू ने खत्म करवा दी। उसके पड़ोस के सारे अरब देश इसीलिए उससे डरते थे। अमेरिका भी उसका समर्थन इसलिए करता था कि उसकी सैनिक शक्ति अच्छी है। कहीं युद्ध में काम आएगी।

मगर जब अमेरिका ने उस पिटते हुए देखा तो ट्रंप ने गाली देते हुए कहा कि अपने पायलट वापस बुलाओ। अब कोई हमला नहीं होना चाहिए। इन सारे घटनाक्रमों में पाकिश्तान की स्थिति वैसी ही रही जैसी थी। जबकि उसकी कमजोर होना चाहिए थी। और हमारी जैसी थी उससे कमजोर हुई है। और इसे नेतृत्व की कमजोरी माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

निष्कासन के बाद सपा सुप्रीमो पर बरसे विधायक राकेश प्रताप, बोले- अतीत के पैकेज से भी अब पर्दा उठना चाहिए

अमेठी, एजेंसी। सपा से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि अब अतीत के पैकेज से भी पर्दा उठना चाहिए। बताना चाहिए कि श्री सेठ को विधान परिषद भेजने के लिए कितने पैकेज की बात हुई थी। सपा से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह अब लगातार समाजवादी पार्टी और नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बुधवार को

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने राज्यसभा व विधान परिषद सदस्य के चयन को लेकर पुराने घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए पूछा कि अतीत के पैकेज से भी अब पर्दा हटना चाहिए।

राकेश प्रताप ने पूछा कि जब सपा सत्ता में थी तब श्री सेठ नाम के एक व्यक्ति को विधान परिषद भेजने के लिए कितना पैकेज लिया गया था और जब उनका नाम तत्कालीन राज्यपाल ने ठुकरा दिया था तो क्या बाद में पैकेज का आकार बढ़ाकर उन्हें राज्यसभा भेजा गया। सपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री जी ने राज्यसभा के जिन सम्मानित सदस्य महोदय के हवाले से पैकेज सम्बन्धी, अपने अनुभव का जिक्र वो दोहराते आजकल नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि भाजपा प्रत्याशी को राज्यसभा में समर्थन देने के बाद सपा ने विधायक राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसके बाद विधायक ने कहा कि अब पार्टी अपने मूल विचारों से भटक चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राम, राष्ट्र और सनातन उनके लिए पहले है, पार्टी बाद में। उनके बयान के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। तरसड़ा गांव के अधिवक्ता महेंद्र शुक्ल ने तंज कसते हुए कहा कि अब राम की याद आई है, राम ही कल्याण करेंगे। वहीं, माधवपुर निवासी विपिन तिवारी और दीपक ने कहा कि राजनीति में कुछ भी संभव है। आने वाला समय सच्चाई सामने लाएगा।

ग्रामीणों ने चोर समझकर पीटा, वो निकला यूपी पुलिस का सिपाही, प्रेमिका से मिलने आया था

आगरा, एजेंसी। यूपी पुलिस का सिपाही शादीशुदा प्रेमिका के घर आया। दोनों रंगरलियां मना रहे थे। जब वो वहां से अंधेरे में भाग रहा था, तभी ग्रामीणों ने चोर समझकर दबोच लिया। इसके बाद सिपाही को बंधक बना लिया। फिर उसकी पिटाई की गई। आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र के नन्दलाल पुर में बृहस्पतिवार को अलीगढ़ पुलिस लाइन में तैनात पुलिसकर्मी ने शादीशुदा प्रेमिका के घर में पहुंच गया। चोरी छिपे भागने पर ग्रामीणों ने चोर समझकर धुनाई कर दी। इस बीच मौका देख

प्रेमिका भाग गई। आरोपी ने बताया कि वह अक्सर प्रेमिका से मिलने के रात में आता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। नंदलालपुर निवासी एक व्यक्ति फाउंड्री नगर की एक फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। वह बच्चों के साथ दिल्ली कार्यक्रम गए थे। पत्नी ने मंगलवार रात प्रेमी अवनीश को को बुला लिया। वह सेवला का रहने वाला है। अलीगढ़ पुलिस लाइन में सिपाही के पद पर तैनात है। आरोप है वह अक्सर मिलने के आता था। पति के मना करने पर जान से मारने धमकी देता था। वह चोरी छिपे भाग रहा था। ग्रामीणों सुबह 4 बजे चोर चोर समझकर पकड़ लिया। उसके हाथ पैर बांधकर धुनाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष राकेश चौहान ने बताया कि पीआरबी 112 की सूचना मिली है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच करेगी।

● सीएम ने कहा- त्योहारों में भड़काऊ नारे, हथियार प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं

कावंड़ यात्रा में नहीं बिकेगा मांस

लखनऊ, एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में कहा है कि आने वाले त्योहारों के दौरान किसी प्रकार का भड़काऊ प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि त्योहारों के दौरान कोई शरारत न पनपने पाए। कांवड़ यात्रा, मोहर्रम और रथयात्रा क दौरान भड़काऊ नारे, हथियारों का प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने प्रदेश में जातीय संघर्ष फैलाने की साजिश के बारे में आगाह करते हुए कहा कि अराजक लोगों को बेनकाब किया जाए। कौशांबी, इटावा, औरैया की घटनाएं ऐसी साजिश का परिणाम हैं, जिस पर कार्रवाई के लिए शासन से आदेश की प्रतीक्षा न करें। दोषियों की पहचान सार्वजनिक कर सख्ती से कानूनी कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री बुधवार को अपने सरकारी आवास से आगामी त्योहारों की तैयारी और कानून-व्यवस्था की स्थिति की शासन और फील्ड में तैनात वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डीजे, ताजिया और रथ की ऊंचाई तय सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। डीजे, ढोल-ताशे की ध्वनि की सीमा भी तय होगी। शोभायात्रा, जुलूसों के लिए पेड़ काटना या गरीबों का आश्रय हटाना स्वीकार नहीं है। कांवड़ यात्रा मार्ग पर खुले में मांस बिक्री नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने खाद्य सामग्री की दरों को तय करते हुए ओवररेटिंग रोकने और बीते वर्ष की तरह इस बार भी हर दुकान पर संचालक का नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होना सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी डीएम को दी। उन्होंने खासकर सोमवार को शिवालयों में भीड़ प्रबंधन, सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। श्रद्धालुओं की भीड़ में अराजक तत्वों, वेष बदलकर घुसपैठ करने वालों की विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया मोहर्रम जुलूसों में सुरक्षा और संवाद प्राथमिकता देने और विगत घटनाओं से सबक लेने को कहा।

श्रावण मास पर हो मंदिरों की सफाई- सीएम ने कहा कि 11 जुलाई से 9 अगस्त तक पवित्र श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा, श्रावणी शिवरात्रि, नागपंचमी और रक्षाबंधन पर्व मनाए जाएंगे। वहीं 27 जून से 8 जुलाई तक जगन्नाथ रथ यात्रा तथा 27 जून से 7 जुलाई तक मोहर्रम है। यह समय कानून-व्यवस्था, चिकित्सा, स्वच्छता, शिक्षा और आपदा प्रबंधन के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील है। कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन और उल्लास का प्रतीक है। उत्तराखंड सीमा से सटे जिलों सहित गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अयोध्या, प्रयागराज, काशी, बाराबंकी और बस्ती जैसे जिले विशेष सतर्कता बरतें। धार्मिक यात्राओं में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन और धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक उपयोग सौहार्द को खंडित कर सकते हैं, जिन पर सख्ती से रोक लगनी चाहिए। ड्रोन से निगरानी की जाए। सोशल मीडिया आदि पर फेक न्यूज और अफवाहों का त्वरित खंडन और सही सूचना का प्रसारण जरूरी है।

कार्यप्रणाली में लाएं सुधार

जनशिकायतों के निस्तारण को लेकर मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन और आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि कुछ जिलों में निस्तारण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे जिलों को तत्काल अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाना होगा, अन्यथा उत्तरदायित्व तय किया जाएगा। वहीं स्कूल पेयरिंग नीति पर बोले कि शिक्षक, छात्र और अभिभावकों के व्यापक हित में बेसिक शिक्षा परिषद के कुछ विद्यालयों की पेयरिंग की प्रक्रिया पारदर्शी, समावेशी और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए। डीएम इसे सुनिश्चित कराएं।

प्रतापगढ़ में एक ही परिवार के मां, बेटे और पत्नी की मौत

प्रतापगढ़, एजेंसी। प्रतापगढ़ जिले के लीलापुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां एक ही परिवार के मां बेटे और पत्नी के शव बंद कमरे में बेड पर मिले है। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर सभी के शवों को कमरे से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मकान में एक पांच माह का बच्चा का वृद्ध महिला जीवित थे। अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय ने बताया कि लीलापुर थाना क्षेत्र सगरा सुंदरपुरपुर बाजार में एक कॉस्मेटिक की दुकान प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे खुल जाती थी लेकिन गुरुवार को सुबह आठ बजे तक दुकान का दरवाजा न खुला और एक बच्चे के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची लीलापुर पुलिस ने कमरे का दरवाजा खोला तो देखा कि कमरे के अंदर बैठकर अंकित पटवा उम्र 26 वर्ष मीरा पटवा पत्नी अंकित पटवा उम्र 22 वर्ष और अंकित पटवा की मां आशा देवी उम्र 52 वर्ष तीनों मृत बेड पर पड़े हुए थे।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में तैयार हुई हर्बल आइसक्रीम

● आइसक्रीम एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर, सर्दी, खांसी और यहां तक कि रक्त शर्करा के स्तर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का प्रबंधन करने में मिलेगी मदद

वाराणसी, एजेंसी। फंक्शनल फूड की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में, बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रमुख खाद्य वैज्ञानिक प्रो. दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने हर्बल आइसक्रीम विकसित की है। यह आइसक्रीम न केवल स्वाद में समृद्ध है, बल्कि इसमें सर्दी, खांसी और रक्त शर्करा नियंत्रण जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रबंधन में सहायक होने की अपार संभावनाएं हैं।

यह आइसक्रीम तुलसी, मुलेठी और सौंफ जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों के 1:1:1 अनुपात के मिश्रण से तैयार की गई है, जिसे पारंपरिक दूध, क्रीम, चीनी और स्टेबलाइजर्स वाले बेस में समायोजित किया गया है। इसे 90 दिनों तक जमाकर इसके स्वाद, स्थिरता और सुरक्षा का परीक्षण किया गया, और परिणामस्वरूप यह ताजगी एवं गुणवत्ता दोनों में खरा उतरा। यह जानकारी बीएचयू के जनसम्पर्क अधिकारी ने दी है।

उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण अध्ययन प्रतिष्ठित क्तृ श्रेणी के 'जर्नल ऑफ स्टोर्ड प्रोडक्ट्स रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है, जिसका इंपैक्ट फैक्टर 2.7 है। यह प्रो. राय का बीते एक वर्ष में 20वां अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र है, जिसने वैश्विक अकादमिक जगत में व्यापक सराहना प्राप्त की है। प्रो. राय के अनुसार, हमारा उद्देश्य ऐसा उत्पाद विकसित करना था जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ स्वास्थ्यवर्धक भी हो।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, साथी घायल

प्रतापगढ़, एजेंसी। जनपद के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के में पृथ्वीगंज चौकी के समीप रायबरेली-जौनपुर हाईवे छैवा पुल पर रात लगभग एक बजे तेज रफ्तार कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा दूसरा युवक घायल हो गया जिसे इलाज के लिए एस आर एन प्रयागराज ले जाया गया है। जहां युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। गुरुवार को सुबह युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। युवक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बाइक सवार युवक सुशील कुमार (28) व सूरज कुमार (22) निवासी गाजी का बाग फतनपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक जिला मुख्यालय से घर जा रहे थे। तभी भुपियामऊ से रानीगंज की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दिया। राहगीर एवं पुलिस की मदद से बाइक सवार दोनों घायल युवकों को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने सुशील को मृत घोषित कर दिया। वहीं सूरज की हालत गंभीर देखते हुए प्रयागराज के लिए रेफर किया गया।

चितईपुर में ईओडब्ल्यू के रिटायर्ड इंस्पेक्टर ने खुद को मारी गोली, मौत

● गले के कैंसर से जूझ रहे थे, बीमारी अंतिम स्टेज में पहुंचने पर जीवन से निराश हो गए

वाराणसी, एजेंसी। चितईपुर थाना क्षेत्र के महामनपुरी कालोनी में गुरुवार तड़के ईओडब्ल्यू के रिटायर्ड इंस्पेक्टर (70) ने अपनी लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रिटायर्ड इंस्पेक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर चितईपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। महामनापुरी कालोनी निवासी आर. के. सिंह ईओडब्ल्यू में इंस्पेक्टर पद से सेवानिवृत्त होने के बाद गले के कैंसर से पीड़ित थे। उनका इलाज मुंबई के टाटा हॉस्पिटल में चल रहा था। कैंसर अंतिम स्टेज में पहुंचने पर वहां के डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर वाराणसी आ गए, जहां बीमार आर.के. सिंह का इलाज घर पर ही चल रहा था।

लंबी बीमारी से मानसिक रूप से टूट चुके आर.के. सिंह जीवन से निराश हो गए। आज भोर में उन्होंने लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन उनके कमरे में पहुंचे तो उनके सिर की हालत देखकर सन्न रह गए। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। चितईपुर पुलिस ने छानबीन के बाद शव को कब्जे में ले लिया। रिटायर्ड इंस्पेक्टर के परिवार में पत्नी, बेटा-बहु और दो बेटियां हैं। चितईपुर पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन हर एंगल से छानबीन की जा रही है।

गणित के शिक्षक ने छात्रा के सामने रखी गंदी शर्त

वो मजबूर हो गई...आपबीती सुन खौल उठेगा खून

आगरा, एजेंसी। गणित का शिक्षक पुनीत वशिष्ठ नामी स्कूल में पढ़ाता है। वो कोचिंग भी कराता है। उसने अपनी ही कोचिंग में आने वाली 10वीं की छात्रा के साथ गंदी हरकत की। वो उस पर बॉय फ्रेंड बनाने का दबाव बना रहा था। आगरा के सिकंदरा क्षेत्र के एक स्कूल का गणित शिक्षक पुनीत वशिष्ठ अपनी ही कोचिंग में पढ़ने वाली दसवीं की छात्रा से छेड़खानी कर रहा था। आरोप है कि वह अश्लील हरकतें करता था। बॉय फ्रेंड बनाने के लिए दबाव डाल रहा था। थाना न्यू आगरा में केस दर्ज किया गया है। उधर, आरोपी को स्कूल प्रबंधन ने निष्कासित कर दिया है। पुलिस गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि आरोपी शिक्षक पुनीत वशिष्ठ न्यू आगरा क्षेत्र का रहने वाला है। वह सिकंदरा स्थित एक नामी स्कूल में गणित पढ़ाता था। वह नगला बूढ़ी में कोचिंग भी चलाता है। 10 महीने से उसकी कोचिंग में क्षेत्र की रहने वाली 14 साल की छात्रा पढ़ने आ रही थी। आरोप है कि पुनीत उसके साथ गलत हरकत करने लगा। छात्रा के चाचा ने पुलिस को बताया कि दो दिन पहले भतीजी के गुमसुम रहने पर

उसकी मां ने उससे बात की। परेशान रहने का कारण पूछा। इस पर वह रोने लगी। घटना की जानकारी दे दी। बताया कि कोचिंग के शिक्षक पुनीत वशिष्ठ 6 महीने से परेशान कर रहे हैं। खुद को बॉय फ्रेंड बनाने के लिए दबाव बनाते हैं। मना करने पर अश्लील बातें बोलते हैं। कुछ दिन से गलत तरह से छूने का प्रयास कर रहे थे। उसे डर था कि वह शिकायत करेगी तो कहीं पढ़ाई न छूट जाए। इस वजह से मुंह नहीं खोला। अब हरकतें बर्दाश्त करना मुश्किल हो गया था। यह बात सुनकर परिजन भी सन्न रह गए। उन्होंने बेटी को साथ ले जाकर थाना में शिकायत की।

डेढ़ साल से स्कूल में दे रहा था सेवाएं- सिकंदरा स्थित स्कूल के चेयरमैन ने बताया कि आरोपी शिक्षक डेढ़ साल से स्कूल में सेवाएं दे रहा था। उनके खिलाफ शिकायत का पता चलने पर निष्कासित कर दिया है। स्कूल की प्रिंसिपल से भी शिक्षक के चाल-चलन के बारे में पूछताछ की है। हालांकि पूर्व में शिक्षक की स्कूल स्तर पर कोई शिकायत नहीं मिली थी।

एक और छात्रा से हरकत की चर्चा

थाना न्यू आगरा के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी शिक्षक के बारे में चर्चा है कि वह एक और छात्रा के साथ गलत हरकत करता था। मगर, छात्रा ने कोई शिकायत नहीं की। इस कारण इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है। आरोपी की उम्र 36 साल है। शादीशुदा है। वह शिकायत के बाद से भाग गया है। पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

भूमाफिया अभियान विरोधी चुनौतियों को लेकर एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश भूमाफिया अभियान विरोधी चुनौतियों को लेकर एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा है। जिसमें बताया कि प्रयागराज में ए.के.इंफ्रा ड्रीम कम्पनी द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना करते हुए किसानों का उत्पीड़न कर रही है। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर सरकारी राजस्व की क्षति पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि इसकी उच्च स्तरीय जांच कराकर भू माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

डॉ.सुरेन्द्र चौधरी ने यह पत्र भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र किसान मोर्चा के महामंत्री सुनील पटेल द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर लिखा है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र के माध्यम से शिकायत की गई है कि प्रयागराज में ए.के.इंफ्रा ड्रीम कंपनी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करते हुए किसानों का उत्पीड़न कर रही है। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर सरकारी राजस्व की हानि पहुंचा रही है।

मेरा ऐसा कोई भी इरादा न था...

ये बातें कह फूट-फूटकर रोया मां का मर्डर करने वाला नाबालिग बेटा

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में मां की हत्या करने वाला नाबालिग बेटा बुधवार को पुलिस के सामने फूट-फूटकर रोया। उसने पुलिस के सामने कहा कि बड़ी गलती हो गई, मैंने गुस्से में आकर मां को मार डाला।

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में मां की हत्या करने वाला नाबालिग बेटा पुलिस के सामने फूट-फूटकर रोया। उसे अपने किए पर पछतावा भी है। पुलिस के सामने उसने कहा कि मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई है... मैंने गुस्से में आकर मां की हत्या कर दी। मेरा ऐसा कोई भी इरादा नहीं था। उन्होंने स्पीकर तोड़ दिया था, इस गुस्से में आकर दुपट्टे से मां का गला कस दिया।

बुधवार को रावतपुर थाने में पुलिसकर्मियों के सामने यह बातें किशोर ने कहीं। इस दौरान

किशोर रोने लगा। वहीं, परिजनों ने महिला का अंतिम संस्कार कर दिया। छोटे भाई ने आरोपी बड़े भाई के खिलाफ तहरीर दी है।

मंगलवार को रावतपुर की गुप्ता कालोनी में रहने वाली 35 वर्षीय महिला की उसके 17 साल के बड़े बेटे ने हत्या कर दी थी। स्कूल से लौटने पर 15 साल के छोटे बेटे की सूचना पर पुलिस ने आरोपी बड़े बेटे को गिरफ्तार किया। महिला पति की मौत के बाद 16 साल से बरेली के रहने वाले युवक से लिव इन में रह रही थी। वहीं, महिला की बहन का आरोप है कि हत्या में लिव इन में रहने वाले युवक का हाथ है। सवाल किए कि आखिर वह अकेले कैसे मां को बेड के अंदर डाल सकता है। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि छोटे बेटे ने बड़े भाई के खिलाफ तहरीर दी है। महिला के साथ लिव इन में रहने वाले युवक को लेकर भी जांच की जा रही है।

गला दबाने से हुई मौत- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महिला की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई है। उनके शरीर पर खरोंच व चोट के भी कई निशान मिले हैं। यह निशान उन्हें बचाव के दौरान आए होंगे या फिर बेड में डालने से बने होंगे। पुलिस इनकी जांच कर रही है।

आखिरी बार नहीं आया देखने- महिला के साथ लिव इन में रहने वाला युवक उन्हें आखिरी बार भी देखने नहीं आया। छोटे बेटे, बहन के साथ अन्य रिश्तेदार उनकी मौत पर आंसू बहा रहे थे। बहन के अनुसार, युवक एक दिन पहले ही घर आया था।

गलत संगत की वजह से होती थी पिटाई- महिला के बड़े बेटे की संगत खराब हो गई थी। उसके साथ रहने वाले ज्यादातर लड़के नशेबाजी करते थे। इससे महिला नाराज रहती थी। महिला को बेटे का टीवी पर नाटक और फिल्में देखना पसंद नहीं था। तेज आवाज में गाने सुनने का विरोध करती थीं।

स्पीकर तोड़ने पर बढ़ी बात...

पूछताछ में बड़े बेटे ने बताया कि वह दोपहर में किचन में बर्तन साफ करते समय स्पीकर पर तेज आवाज में गाने सुन रहा था। तबीयत ठीक न होने से मां दूसरे कमरे में आराम कर रही थीं। उन्होंने पीछे से आकर कुछ कहा लेकिन गाने की आवाज तेज होने से वह सुन नहीं पाया। इस पर मां ने गुस्से में स्पीकर पटककर तोड़ दिया। मां के दो थप्पड़ मारने पर वह आपे से बाहर हो गया और मां को धक्का देकर गिरा दिया। उनकी नाक से खून निकलने पर उसे लगा कि अब मां मारेगी तो उन्हीं के दुपट्टे से गला कस दिया।

न्यूज़ीलैंड-जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम का ऐलान

बेबी एबी की 2 साल बाद वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। रासी वैन डेर डुसेन को न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज में साउथ अफ्रीका टीम की अगुआई करेंगे। वैन डेर डुसेन को कप्तान एडेन मार्करम की अनुपस्थिति में कप्तान नियुक्त किया गया है।

कुछ अन्य नियमित खिलाड़ियों को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। 'बेबी एबी' डेवाल्ड ब्रेविस लगभग दो साल से साउथ अफ्रीका के लिए नहीं खेले हैं। इस साल एसए 20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनर बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को पहली बार टीम में चुना गया है। पहले से ही वनडे और टेस्ट में खेल चुके कोर्बिन बॉश को टी20 में पदार्पण का मौका मिलेगा। एसए 20 में प्रभावित करने वाले एक अन्य खिलाड़ी रुबिन हरमन और राष्ट्रीय टीम के लिए अन्य दो प्रारूपों में खेलने वाले सेनुरन मुथुसामी इस सीरीज के लिए चुने गए अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर और गेराल्ड कोएत्जी की वापसी से भी साउथ अफ्रीका को मजबूती मिली है। दोनों तेज गेंदबाज लंबे समय से चोट से उबर रहे हैं, लेकिन फिलहाल एमएलसी में खेल रहे हैं। शुकरी कॉनराड की कोचिंग में यह पहली टी20 सीरीज होगी। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत 14 जुलाई को साउथ अफ्रीका और मेजबान जिम्बाब्वे के बीच होने वाले मैच से होगी। फाइनल 26 जुलाई को खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका की टीम

रासी वैन डेर डुसेन (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जी, रीजा हेंड्रिक्स, रुबिन हरमन, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, सेनुरन मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, एंडिले सिमलेन।

चेस: कार्लसन के साथ 9 साल के आरित ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 19 साल के गुकेश के बाद अब 9 साल के आरित कपिल ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेला है। दिल्ली के आरित ने कार्लसन को ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे' में ड्रॉ पर रोक दिया।

आरित ने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन के हर मूव का शानदार जवाब दिया और उन्हें पूरी तरह हार की स्थिति में पहुंचा दिया था। हालांकि, मैच के आखिरी पलों में आरित के पास समय बहुत कम बचा था। सिर्फ कुछ सेकंड बचे होने के कारण वह अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके और मुकाबला ड्रॉ हो गया। यह मैच रूक बनाम दो माइनर पीसेज के एंडगेम में खत्म हुआ। गुकेश से हारने के बाद कार्लसन ने चेस बोर्ड पर गुस्सा उतारा था हाल ही में डी गुकेश का सामना करते हुए जब मैग्नस कार्लसन को हार मिली थी, तो उन्होंने अपनी झल्लाहट को खेल की मेज पर दिखाया था। हाथ पटककर उन्होंने सारे मोहरे गिरा दिए और चेस रूम से बाहर चले गए। वहीं, आर प्रागननंदा 16 वर्ष की उम्र में कार्लसन का हरा चुके हैं। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में गुकेश से हारने के बाद वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मारा। कार्लसन के खिलाफ ड्रॉ- एक बड़ी उपलब्धि कार्लसन को शतरंज इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे 2013 से 2023 तक वह वर्ल्ड चैंपियन रहे हैं। उन्होंने क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों फॉर्मेट में वर्ल्ड खिताब जीते हैं।

वेस्टइंडीज ने निकाली कंगारुओं की हेकड़ी

जायडन सील्स-शमार जोसेफ ने ऑस्ट्रेलिया को 180 पर निपटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के पहले दिन बुधवार (26 जून) को पहली पारी में ऑस्ट्रेलया को 180 रन पर आउट कर दिया। बारबाडोस के ब्रिजटाउन में तेज गेंदबाज जायडन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9 विकेट चटकाए। सील्स ने 5 और जोसेफ ने 9 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया के केवल 4 बल्लेबाज ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, ब्यू वेबस्टर और पैट कमिंस दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 59 रन बनाए। इसके अलावा उस्मान ख्वाजा ने 47, पैट कमिंस ने 28 और ब्यू वेबस्टर ने 11 रन बनाए। ओपनर सैम कोनस्टास ने 3, कैमरन ग्रीन ने 3, जोश इंग्लिस ने 5, एलेक्स कैरी ने 8, मिचेल स्टार्क ने 0 और जोश हेजलवुड 4 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा नाथन लियोन 9 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने 5 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। सील्स और जोसेफ के अलावा जस्टिन ग्रेव्स सफल रहे।

किसने किसको किया आउट

जस्टिन ग्रेव्स ने 1 विकेट लिया। उन्होंने ट्रेविस हेड को पवेलियन भेजा। जायडन सील्स ने जोश इंगलिस, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड का विकेट लिया। शमार जोसेफ ने सैम कोनस्टास, उस्मान ख्वाजा, कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर का विकेट लिया।

कैरेबियाई सरजमीं पर ऑस्ट्रेलिया का पहला टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया की टीम 10 साल बाद कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट मैच खेल रही है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ब्रेंडन किंग ने वेस्टइंडीज के लिए डेब्यू किया। वेस्टइंडीज के कप्तान के तौर पर रस्टन चेज का पहला मैच है। उन्होंने दो साल बाद वेस्टइंडीज की टीम में वापसी की। यह उनका 50 वां टेस्ट है।

वेस्टइंडीज की प्लेइंग 11

क्रेग ब्रैथवेट, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, ब्रैंडन किंग, रोस्टन चेस (कप्तान), शाई होप (विकेट कीपर), जस्टिन ग्रीव्स, जोमेल वारिकन, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जेडन सील्स

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, कैमरून ग्रीन, जोश इंगलिस, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

शिखर धवन बने लेखक, लिखी किताब, धोनी से जुड़ा किस्सा किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपने जीवन के संस्मरणों को कलमबद्ध किया है जिसमें रिश्तों से लेकर दोस्ती तक और मैदान के भीतर तथा बाहर के विवादों पर भी खुलकर बात की है। धवन ने अपनी किताब 'द वनः क्रिकेट, माय लाइफ एंड मोर के बारे में कहा, 'क्रिकेट ने मुझे जीने का मकसद दिया लेकिन इस सफर में उतार चढ़ाव और खामोश पल भी रहे। इसने मुझे वह इंसान बनाया जो आज मैं हूं। मैं दिल से अपनी कहानी कह रहा हूं जो ईमानदार और किसी फिल्टर के बिना है। प्रकाशक हार्पर कोलिंस इंडिया ने कहा, 'पूरी स्पष्टवादिता और ईमानदारी के साथ लिखी गई द वन शिखर धवन के आंतरिक संवाद और उन सभी कमजोरियों की अभूतपूर्व झलक पेश करती है जिन्होंने उन्हें एक चैंपियन क्रिकेटर और संवेदनशील इंसान बनाया है। कंपनी के प्रकाशक सचिन शर्मा ने कहा, 'शिखर धवन का मैदान के भीतर और बाहर जीवन शानदार रहा है। इस संस्मरण में शिखर ने अपने जीवन, रिश्तों और हर उस अनुभव के बारे में बात की है जिसका उन्होंने सामना किया और मजबूत होकर निकले हैं। दिल्ली में पले बढ़े धवन ने बतौर विकेटकीपर शुरूआत की थी लेकिन बाद में सलामी बल्लेबाज बने। भारत के लिए 34 टेस्ट में उन्होंने 2315 रन, 167 वनडे में 6793 रन और 68 टी20 मैचों में 1759 रन बनाए हैं।

चेस: एआईसीएफ ने खिलाड़ियों के लिए वजीफा योजना शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने बुधवार को शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ी वजीफा योजना (टीएनपीएसएस) शुरू करने की

घोषणा की जो प्रतिभा विकास में मदद करने के लिए एक वित्तीय सहायता पहल है। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। एआईसीएफ शीर्ष युवा शतरंज प्रतिभाओं के खातों में 60 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक की पहली तिमाही वजीफा राशि तुरंत भेज रहा है। अप्रैल से जून के महीनों के लिए कुल 42.30 लाख रुपये वितरित किए जाएंगे। नारंग ने कहा, ''यह सिर्फ एक योजना नहीं है। यह दर्शाता है कि हम भारत के हर युवा शतरंज खिलाड़ी पर कितना गहरा विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे इतिहास में पहली बार हम 39 लड़कियों और 39 लड़कों के भविष्य में सीधे निवेश कर रहे हैं। उन्हें अपनी प्रतिभा को सफलता में बदलने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।''

बर्मिंघम टेस्ट से पहले हर्षित भारतीय टीम से बाहर

लीड्स, एजेंसी। तेज गेंदबाज हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर अब भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि राणा को भारतीय टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह लीड्स से ही भारत लौटेंगे। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट के लिए बर्मिंघम पहुंच चुकी है। हर्षित राणा को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट से ठीक पहले भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

वह लीड्स टेस्ट की अंतिम 11 में जगह नहीं बना सके थे। इंग्लैंड ने यह टेस्ट आखिरी दिन 371 रन के लक्ष्य पीछा कर पांच विकेट से जीता था। मिली जानकारी के मुताबिक, भारतीय टीम के एक तेज गेंदबाज को परेशानी थी। ऐसे में प्रबंधन ऐसे तेज गेंदबाज को बैकअप के रूप में रखना चाहता था, जो बाउंसर का सही इस्तेमाल करता हो। राणा सही विकल्प थे और इसी वजह से उन्हें टीम से जोड़ा गया था। लेकिन, अब सब कुछ ठीक है। इसलिए राणा को अब रिलीज कर दिया गया है। हर्षित राणा ने पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट डेब्यू किया था। वह दो टेस्ट खेले थे, जिसमें चार विकेट उनके नाम हैं। पर्थ में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3-48 रहा था। इंग्लैंड में, राणा को कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए पहला मैच खेलने का मौका मिला। इस मैच में भी उनका प्रदर्शन साधारण रहा था। उन्होंने 99 रन देकर एक विकेट लिए थे। साधारण प्रदर्शन के बावजूद इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए हर्षित राणा को टीम में जगह देने की आलोचना भी हुई थी। क्रिकेट विशेषज्ञ अंशुल कंबोज को बेहतर विकल्प मान रहे थे, जो गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में बेहतरीन बल्लेबाजी भी करते हैं और भारत ए की तरफ से उनका प्रदर्शन भी अच्छा रहा था। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-2027 की शुरुआत की है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर भारत की तरफ से पांच शतक लगे। इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से पिछड़ चुकी है। सीरीज में बने रहने के लिए बर्मिंघम में 2 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया को वापसी करनी होगी।

पंत ने टेस्ट करियर की बेस्ट रैंक हासिल की

दुबई, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत हेडिंग्ले टेस्ट में खेली गई शतकीय पारियों के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने इंग्लैंड के लिए पहले टेस्ट की दोनों इनिंग में शतक लगाया था और ऐसा करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से आज जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार पंत जहां 800 रेटिंग अंक के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए है जिससे उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। पंत 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भले ही 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन पंत अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में कामयाब रहे। उन्होंने पहली पारी में 178 गेंदों पर 12 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 134 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में पंत का स्ट्राइक रेट 75.28 था जबकि दूसरी पारी में यह बढ़कर 84.29 रहा। इसके अलावा आईसीसी ताजा टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने भी शतकीय पारी के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया। डकेट पांच पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए हैं। इसके आलवा शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जबकि जो रूट 889 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर, हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है, केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे पायदान पर है।

सांसद से सगाई के बाद रिंकू सिंह बनेंगे सरकारी अफसर, धोनी हैं कर्नल तो सिराज हैं DSP

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह सरकारी अफसर बनने जा रहे हैं. जी हां, सांसद प्रिया सरोज से सगाई के कुछ ही दिनों बाद उत्तर प्रदेश सरकार रिंकू सिंह को तोहफा देने वाली है. उन्हें अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली 2022 के तहत रिंकू सिंह को बेसिक शिक्षा अधिकारी बनाने का फैसला लिया गया है. बता दें कि इस संबंध में बेसिक शिक्षा निदेशक ने आदेश भी जारी कर दिया है. आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले एथलीट्स के लिए नई नीति लागू की थी. रिंकू सिंह को भी इसी नीति के तहत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का पद दिया जा रहा है. अभी कुछ दिन पहले ही भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने 8 जून को समाजवादी पार्टी से सांसद प्रिया सरोज से सगाई की है. लखनऊ में हुए सगाई समारोह में अखिलेश यादव और जया बच्चन समेत कई VIP गेस्ट पधारे थे.